



दैनिक पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

MPHIN/2021/83938



वर्ष: 5 : अंक: 97

ग्वालियर बुधवार 24 दिसम्बर 2025

पृष्ठ: 8 मूल्य: 2 रु.

संक्षिप्त खबरें

विधानसभा में CM योगी का कांग्रेस और सपा पर तीखा प्रहार

लखनऊ - उत्तर प्रदेश विधानसभा में सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वंदे मातरम पर अग्रणी स्थिति परियोजना और प्रदेश के चर्चित कफ सिरप घोटाले को लेकर विपक्ष पर जमकर हमला बोला। सीएम योगी ने इतिहास के पन्नों से लेकर वर्तमान के अपराध जगत तक, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) के नेकस पर प्रहार किया। वंदे मातरम पर बोलेते हुए सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा गुटिफरण की राजनीति की है। उन्होंने 1937 के संसदीयों का हवाला देते हुए कहा, बेहूरा और जिन्हा, सीएम ने कहा कि जिन्हा ने कांग्रेस छोड़ते ही इस गीत को सांप्रदायिक रंग दिया। 20 अक्टूबर 1937 को पंडित नेहरू ने सुभाष चंद्र बोस को पत्र लिखकर गीत के अंश हटाने की बात कही थी, जिसे सद्भाव का नाम दिया गया, जबकि वह आधिकारिक गुटिफरण की शुरुआत थी। संस्कार है राशोना, योगी ने जोर दिया कि नई पीढ़ी को सच्चाई पता होनी चाहिए। राशोना केवल गीत नहीं, बल्कि भारतीयों का संस्कार और संघर्ष का प्रतीक है। कफ सिरप माफियाओं पर कार्रवाई का जिक्र करते हुए सीएम योगी ने समाजवादी पार्टी को चेतावनी दी। उन्होंने मुख्य आरोपी अलोक सिपाही को पकड़ा सागई बताते हुए अखिरचेष्ट यादव के साथ उसकी तस्वीरें दिखाई। माफियाओं पर प्रहार: सीएम ने सख्त लहजे में कहा, माफिया के खिलाफ कार्रवाई कैसे होती है, यह सपा से बेहतर कोई नहीं जानता। इस मामले में ऐसी कार्रवाई होगी कि आप लोग फांसी पढ़ने जाएंगे और हम आपको फांसी पढ़ने लायक भी नहीं छोड़ेंगे। सपा कनेक्शन: उन्होंने बुधम जादवसाल और अमित यादव (सपा प्रचारी) के व्यापारिक संबंधों का खुलासा करते हुए कहा कि अपराधियों को सपा का राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है।

समुद्र के बीच सैन्य सर्जिकल स्ट्राइक- अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला के तेल टैंकर पर किया कब्जा

कैरिबियन सागर - अमेरिका और वेनेजुएला के बीच चल रहा कूटनीतिक तनाव अब सीधे सैन्य टकराव में बदल गया है। कैरिबियन सागर में अमेरिकी सेना ने एक दुर्घातमिक ओपरेशन चलाकर वेनेजुएला से तेल लेकटर जा रहे एक पिछाल टैंकर जहाज को बीच समुद्र में इंटरसेप्ट कर अपने नियंत्रण में ले लिया। पिछले कुछ समय में अमेरिका द्वारा जबरन किया गया यह तीसरा तेल टैंकर है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस कार्रवाई के वीडियो में देखा जा सकता है कि अमेरिकी सेना का एक हेलीकॉप्टर सीधे चलते जहाज पर लैंड कराया है। इसके तुरंत बाद हथियारों से तेल अमेरिकी कमांडो जहाज पर उतरते हैं और वरु को अपने कब्जे में ले लेते हैं। जहाज की पहचान: न्याय पब्लिकी रिकॉर्ड के मुताबिक, इस जहाज का नाम 'सेंटुरीस' (Centuris) है, जो पनामा के झंडे के साथ चल रहा था। लोकेशन: श्विटेन की मोंटेराडाम मैनेजमेंट कंपनी केनगाई के अनुसार, यह कार्रवाई पूर्वी ब्राझील के पारसे कैरिबियन सागर में की गई। अमेरिकी होम्सलैंड सेक्टर सी स्टेडर्टी फिस्टी डिओम ने इस सैन्य कार्रवाई की पुष्टि करते हुए वेनेजुएला को सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने कहा: 'यह जहाज आधिकारी बार वेनेजुएला के बंदरगाह पर देखा गया था। हम प्रतिबिंबित तेल की अवैध आवाजही पर लगातार नजर रख रहे हैं। इस तेल के व्यापार से लेने वाली कमाई का इस्तेमाल गैर-आतंकवाद की फंडिंग के लिए किया जाता है। अमेरिका अपनी सुरक्षा से समझौता नहीं करेगा। हम तुम्हें दृढ़ विकारको और रहेगेंगे।

पुतिन के खास जनरल की मौत को में हत्या: कार बम धमाके से दहला रूस; क्या अब शुरू होगी विनाशकारी जंग?

नई दिल्ली।

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच सोमवार को रूस की राजधानी मास्को के दक्षिणी हिस्से में एक ऐसा हमला हुआ, जिसने रूसी सुरक्षा बल की अभेद्य दीवार में छेद कर दिया है। रूसी सेना के एक अत्यंत अनुभवी और प्रभावशाली सैन्य अधिकारी, लेफ्टिनेंट जनरल फैनिल सरवरोव (Fani Sarvarov) की एक भीषण कार बम विस्फोट में मौत हो गई। इस हमले को सीधे तौर पर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सैन्य नेतृत्व पर एक बड़े प्रहार के रूप में देखा जा रहा है।

सोची-सगझी साजिश- गाड़ी के नीचे बिछाया गया था मौत का जाल

रूस की इन्वेस्टिगेटिव कमिटी ने घटना स्थल का मुआयना करने के बाद पुष्टि की है कि यह कोई तकनीकी खराबी या सामान्य हादसा नहीं था। टारगेटेड अटैक- जांचकर्ताओं के अनुसार, एक शक्तिशाली विस्फोटक डिवाइस (IED) को बेहद चालाकी से जनरल सरवरोव की कार के नीचे लगाया गया था। जैसे ही गाड़ी दक्षिणी मास्को के एक व्यस्त इलाके से गुजरी, रिमोट कंट्रोल या टाइमर के जरिए उसमें विस्फोट कर दिया गया। पहचान और पुष्टि- धमका इतना जबरदस्त था कि आसपास की कई अन्य गाड़ियों को भी भारी नुकसान पहुंचा। शुरुआत में पीड़ित को पहचान गुम रही गई थी, लेकिन बाद में रूसी



रक्षा मंत्रालय और सरकारी टीवी चैनलों ने पुष्टि की कि मारे गए अधिकारी जनरल स्टाफ में ऑपरेशनल ट्रेनिंग के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल फैनिल सरवरोव थे।

कौन थे जनरल फैनिल सरवरोव?

जनरल सरवरोव रूसी सैन्य रणनीति के एक महत्वपूर्ण स्तंभ माने जाते थे। उनके करियर की कुछ प्रमुख विशेषताएं इस प्रकार हैं- आतंकवाद विरोधी अभियान- 1990 और 2000 के दशक की शुरुआत में उन्होंने दक्षिणी

रूस में आतंकवाद विरोधी अभियानों में वीरता दिखाई थी। सीरिया में भूमिका- वे सीरिया में रूसी सैन्य तैनाती और रणनीति बनाने में सक्रिय रूप से शामिल रहे थे। वरिष्ठ अधिकारियों के गुरु- 2016 से वे रूसी सेना के उच्च अधिकारियों को युद्ध अभ्यास और ऑपरेशनल ट्रेनिंग देने वाले विभाग का नेतृत्व कर रहे थे।

यूक्रेन पर शक और प्रतिशोध की आहट

रूसी खुफिया एजेंसियों का मानना है कि

इस हाई-प्रोफाइल हत्याकांड के बाद मास्को में तनाव चरम पर है। सैन्य विशेषज्ञों का मानना है कि रूस इस हमले को युद्ध के नियमों का उल्लंघन मानकर यूक्रेन के खिलाफ भयंकर जवाबी कार्रवाई कर सकता है। पुतिन प्रशासन पर अब यह दबाव है कि वे कीव के उन निर्णय लेने वाले केंद्रों (Decision-making centers) पर हमला करें, जिन्हें रूस अक्सर धमकी देता रहा है। फिलहाल, यूक्रेन की ओर से इस घटना पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

नई दिल्ली।

भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्यकांत ने सोमवार को उत्तराखंड के पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील पहाड़ी क्षेत्रों में संरक्षित वन भूमि पर हो रहे व्यापक अतिक्रमण और अवैध निर्माण पर कड़ा रुख अखियार किया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए न केवल राज्य सरकार को कड़ी फटकार लगाई, बल्कि स्वतः संज्ञान (Suo Motu) लेते हुए खुद एक नया केस दर्ज करने का आदेश दिया। शीर्ष अदालत ने उत्तराखंड के अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि उनकी आंखों के सामने वनों का विनाश हो रहा है और वे केवल मूकदर्शक बने हुए हैं।

चौंकाने वाला है सरकारी अधिकारियों का रवैया: CJI सूर्यकांत

सुप्रीम कोर्ट की सर्दियों की छुट्टियों (Winter Vacation) के पहले ही दिन, CJI सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की अवकाशकालीन पीठ के सामने उत्तराखंड के पहाड़ी जिलों में संरक्षित वन भूमि पर अनधिकृत कब्जे से जुड़ा एक गंभीर मामला आया। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश का तेवर बेहद सख्त था।

CJI सूर्यकांत ने राज्य सरकार की आलोचना करते हुए कहा:

हमारे लिए यह अत्यंत चौंकाने वाली बात है कि उत्तराखंड राज्य और उसके वरिष्ठ

सुप्रीम कोर्ट ने लिया ऐतिहासिक स्वतः संज्ञान



अधिकारी केवल मूकदर्शक बनकर बैठें हैं, जबकि उनकी अपनी आंखों के सामने जंगल की जमीन पर अवैध कब्जा किया जा रहा है। अधिकारियों की नाक के नीचे निर्माण कार्य हो रहे हैं और कोई कार्रवाई नहीं की जा रही। इसलिए, हम खुद इस मामले में दखल दे रहे हैं। और एक नया केस शुरू कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट के कड़े निर्देश: 5 जनवरी तक यथास्थिति बनाए रखें

बेंच ने माना कि हालात ऐसे हैं जहाँ तुरंत न्यायिक हस्तक्षेप की आवश्यकता है। कोर्ट ने तात्कालिक प्रभाव से निम्नलिखित आदेश जारी किए- निर्माण पर पूर्ण रोक- जंगल की

संरक्षित जमीन पर चल रहे या भविष्य के लिए प्रस्तावित सभी निर्माण कार्यों और अन्य गतिविधियों पर तुरंत प्रभाव से रोक लगा दी गई है। कब्जे की बहाली का आदेश- अदालत ने वन विभाग को निर्देश दिया कि वे रिहायशी घरों (जहाँ लोग वर्तमान में रह रहे हैं) को छोड़कर बाकी सभी खाली पड़ी विवादित जमीनों को तुरंत अपने कब्जे में ले लें। थर्ड पार्टी राइट्स पर प्रतिबंध- कोर्ट ने निजी पार्टियों को इस विवादित जमीन पर किसी भी प्रकार का नया कानूनी अधिकार बनाने या उसे बेचने (Third Party Rights) से सख्ती से रोक दिया है।

उच्च स्तरीय जांच समिति- CJI ने उत्तराखंड के मुख्य सचिव और प्रधान वन संरक्षक को एक फेक्ट फाईंडिंग (तथ्य खोजने वाली) कमेटी बनाने का निर्देश दिया है, जो इस



नहीं, ताजपोरी है

12 फरवरी 2026 को होने वाले आगामी आम चुनावों को लेकर हसीना ने गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि अवामी लीग जैसी देश की सबसे बड़ी राजनीतिक शक्ति को प्रतिबंधित कर या

दबाकर चुनाव कराना लोकतंत्र के नाम पर धोखा है। अवामी लीग के बिना चुनाव, चुनाव नहीं बल्कि एकतरफा ताजपोरी है। ऐसी सरकार जिसके पास जनसमर्थन न हो, वह केवल अराजकता को जन्म देगी। अलोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकार के पास न तो नैतिक अधिकार होगा और न ही वह देश को स्थिरता दे पाएगी।

भारत के प्रति आभार और कटुपंथ पर चेतावनी

शेख हसीना ने भारत सरकार द्वारा करिज समय में दी गई शरण और राजनीतिक समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। साथ ही, उन्होंने भारत-बांग्लादेश संबंधों के भविष्य पर चेतावनी देते हुए कहा- अल्पसंख्यकों पर अत्याचार- हसीना ने आरोप लगाया कि वर्तमान अंतरिम सरकार धार्मिक अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में पूरी तरह विफल रही है। भारत

विरोधी माहौल- उन्होंने दावा किया कि कटुपंथी इस्लामी तत्वों को सरकारी संरक्षण मिल रहा है, जो जानबूझकर भारत के खिलाफ शत्रुतापूर्ण माहौल बना रहे हैं। दक्षिण एशिया की सुरक्षा-पूर्व पीएम ने चेतावनी दी कि बांग्लादेश की आंतरिक अस्थिरता और कटुपंथ का बढ़ता प्रभाव पूरे दक्षिण एशिया की सुरक्षा व्यवस्था को खतरे में डाल सकता है।

खुन-खराबा रोकने के लिए छोड़ा था देश

अंत में, हसीना ने भावुक होते हुए कहा कि उन्होंने देश अपनी जवाबदेही से डकर नहीं, बल्कि इसलिए छोड़ा था ताकि निर्दोष लोगों का और अधिक खून न बहे। उन्होंने कहा कि वे आज भी अवामी लीग के कार्यकर्ताओं और देश की जनता के साथ खड़ी हैं, लेकिन वर्तमान माहौल में उनकी वापसी केवल और केवल प्रतिशोध की राजनीति को बढ़ावा देगी।

प्रयाग ग्रुप पर ED का बड़ा शिकंजा: ?110 करोड़ की संपत्ति जब्त

कोलकाता

प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने पोंजी स्कीम (Ponzi Scheme) के जरिए देश के लाखों निवेशकों को चूना लगाने वाले प्रयाग ग्रुप ऑफ कंपनियों (Prayag Group of Companies) के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई की है। मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच करते हुए श्वष के कोलकाता जोनल ऑफिस ने रफ की लगभग 110 करोड़ की संपत्तियां कुर्क (Attach) की हैं। यह मामला 2863 करोड़ की अवैध वसूली से जुड़ा है। CBI की F.I.R और चार्जशीट के आधार पर शुरू हुई श्वष की जांच में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं- बिना मंजूरी वसूली- प्रयाग ग्रुप ने RBI और SEBI जैसी नियामक संस्थाओं की अनुमति के बिना 38,71,674 (लगभग 38 लाख) लोगों से हाई रिटर्न का लालच देकर 2863 करोड़ जुटाए। बकाया-कम- 31 मार्च 2016 तक के आंकड़ों के अनुसार, कंपनी ने निवेशकों के 1906 करोड़ आज तक नहीं लौटाए हैं। लाखों गरीब और मध्यम वर्गीय परिवार अब भी अपनी मेहनत की कमाई वापस पाने का इंतजार कर रहे हैं। श्वष के मुताबिक, कंपनी का कोई वास्तविक या वैध बिजनेस मॉडल नहीं था। वे पूरी तरह से पॉन्जी मॉडल पर काम कर रहे थे- मनी रोटेशन- नए निवेशकों से लिए गए पैसे का इस्तेमाल पुराने निवेशकों को भुगतान करने के लिए किया जाता था। फंड का दुरुयोग- बाकी बची भारी-भरकम रकम को जमीन खरीदने, लज्जरी होटलों, फिल्म सिटी प्रोजेक्ट्स, विज्ञापनों और सिलिब्रिटी आगदों का जोखिम भी बढ़ गया है। पर्सनल लाइफस्टाइल- प्रमोटेर्स ने निवेशकों के पैसे से निजी सुख-सुविधाएं और आलीशान संपत्तियां खरीदीं। जांच में कंपनी के तीन डायरेक्टर्स- वासुदेव बागची, अविक बागची और स्वप्ना बागची की भूमिका संदिग्ध पाई गई है। धोखाधड़ी के तरीके- इन लोगों ने सैलरी के नाम पर बड़ी रकम निकाली, खुद को बिना किसी भुगतान के शेयर अलॉट किए और फंड को अपनी ही विभिन्न रक्त कंपनियों में घुमाया। संपत्तियां जबर-जब्त की गईं 110 करोड़ की संपत्तियों में पश्चिम बंगाल, बिहार और असम में फ्लैट 450.42 एकड़ जमीन और सुपर-स्ट्रक्चर (कीमत ?104 करोड़) शामिल हैं। इसके अलावा 6 करोड़ की व्यक्तिगत संपत्तियां भी अटैच की गई हैं। वर्तमान स्थिति- वासुदेव बागची और अविक बागची फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।

दिल्ली में डबल इंजन की रफ्तार: पीएम मोदी

और अमित शाह से मिले नीतीश कुमार

बिहार के विकास और सात निश्चय 3.0 पर महामंथन

नई दिल्ली।

बिहार में नई एनडीए (NDA) सरकार के गठन के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने दो दिवसीय दिल्ली दौरे के अंतिम दिन सोमवार को एक्शन मोड में नजर आए। नीतीश कुमार ने पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फिर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इन बैठकों को बिहार के भविष्य और आगामी विकास योजनाओं के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पीएम आवास पर 30 मिनट की विशेष बैठक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ नीतीश कुमार की मुलाकात करीब 30 मिनट तक चली। इस उच्चस्तरीय बैठक में नीतीश के साथ जयदू के वरिष्ठ नेता ललन सिंह और बिहार के उम्मेदवारों सद्माट चौधरी भी मौजूद रहे। सात निश्चय 3.0- बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी ने जानकारी दी कि मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी योजना सात निश्चय 3.0 के रोडमैप पर चर्चा की। केंद्रीय सहायता- बिहार के विकास के लिए केंद्र सरकार से मिलने वाली तकनीकी और वित्तीय मदद को और अधिक प्रभावी बनाने पर विचार-विमर्श हुआ। राजनीतिक तालमेल- नई सरकार बनने के बाद यह पहली औपचारिक मुलाकात थी, जिसमें राज्य सरकार की प्राथमिकताओं और एनडीए के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने पर बात हुई।

अमित शाह से मुलाकात और गर्मजोशी भरा स्वागत प्रधानमंत्री से मिलने के बाद सीएम नीतीश कुमार



केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आवास पर पहुंचे। अमित शाह ने नीतीश कुमार का गर्मजोशी से स्वागत किया। सुरक्षा और प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, इस बैठक में बिहार की कानून-व्यवस्था, प्रशासनिक सुधार और केंद्र-राज्य के बीच चल रही सुरक्षा परियोजनाओं पर चर्चा हुई। संगठन का संदेश- बिहार में नई सरकार के शपथ ग्रहण के बाद दोनों नेताओं की इस मुलाकात ने यह संदेश दिया है कि आगामी चुनौतियों के लिए एनडीए पूरी तरह एकजुट है।

दिल्ली दौरा संपन्न, शाम को दरजा वापसी

नीतीश कुमार का यह दो दिवसीय दौरा काफी व्यस्त रहा। रविवार को उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक कर संगठन की रणनीति पर चर्चा की थी और सोमवार को शीर्ष नेतृत्व से मिलकर बिहार के एजेंडे को आगे बढ़ाया। मुख्यमंत्री सोमवार शाम तक मटन लौट आएंगे। मौलतब है कि गांधी मैदान में हुए शपथ ग्रहण समारोह के बाद दिल्ली में नीतीश और मोदी की यह पहली आमने-सामने की मुलाकात थी।

सम्पादकीय ...

कार्य स्थल पर तनाव का बढ़ता संकट

भारत जिस तेजी से डिजिटल कार्य-संस्कृति की ओर बढ़ा है, उतनी ही तेजी से कर्मचारियों पर कार्य-संबंधी तनाव का बोझ भी बढ़ा है। स्मार्टफोन, ईमेल, टीम कम्युनिकेशन ऐप्स और वर्क-फ्रॉम-होम मॉडल ने कार्य और निजी जीवन की रेखा लगभग मिटा दी है। इसी संदर्भ में प्रस्तावित ‘राइट टू डिस्कनेक्ट बिल, 2025’ न केवल कानूनी प्रयास है, बल्कि आधुनिक कार्य-संस्कृति के लिए भावी नैतिक व्यवस्था भी। इस बिल का मूल उद्देश्य सरल है- कर्मचारी को उसके कार्य समय के बाद डिजिटल तरीकों से काम से जोड़ने की बाध्यता को सीमित करना। किन्तु भारत जैसा विशाल, विविध और प्रतिस्पर्धी श्रम-परिदृश्य इस अधिकार के वास्तविक क्रियान्वयन को जटिल बनाता है। दरअसल, आज की कार्यशैली ‘ऑलवेज ऑन’ मानसिकता पर आधारित है, जहाँ यह मान लिया जाता है कि कर्मचारी हमेशा उपलब्ध रहेंगे। पहले काम कार्यालय के दरवाजे पर रुक जाता था; अब काम जेब में रखा मोबाइल बन गया है- हर पल साथ, हर पल सक्रिय। इस मनोवैज्ञानिक दबाव ने कर्मचारियों के तनाव स्तर, नौद की गुणवत्ता, पारिवारिक संबंधों और मानसिक स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। कई अंतरराष्ट्रीय सर्वे बताते हैं कि लगातार डिजिटल उपलब्धता से बर्नआउट की दर तेजी से बढ़ती है और भारत जैसे देशों में यह प्रभाव ‘अधिक तीव्र दिखाई देता है क्योंकि यहाँ कार्य-संस्कृति में ‘अधिक काम करना’ अक्सर ‘अच्छा कर्मचारी’ होने का पर्याय मान लिया गया है। राइट टू डिस्कनेक्ट इसी असंतुलन को सुधारने का नैतिक और कानूनी प्रयास है।

यह बिल कर्मचारियों को यह अधिकार देता है कि वे निर्धारित कार्य समय के बाद ईमेल, संदेश या कॉल का उत्तर देने के लिए बाध्य न हों। यह अवधारणा कई यूरोपीय देशों में कानूनी हकीकत बन चुकी है और इससे सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं- उच्च उत्पादकता, संतुलित मानसिक स्वास्थ्य और कम कर्मचारी पलायन। भारत में भी यह कदम कर्मचारी कल्याण के लिए महत्वपूर्ण आधार बना सकता है।

इस अधिकार का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष मानसिक स्वास्थ्य सुरक्षा है। लगातार जुड़े रहने से मस्तिष्क को विश्राम नहीं मिल पाता, जिससे तनाव हार्मोन लगातार सक्रिय रहते हैं। अनेक अध्ययनों में पाया गया है कि डिजिटल अधिभार के कारण नौद की गुणवत्ता घटती है, चिड़चिड़ापन बढ़ता है और दीर्घकालीन स्वास्थ्य जटिलताएँ उत्पन्न होती हैं। भारत के आईटी और बीपीओ क्षेत्र में विशेष रूप से यह समस्या गहरी है, जहाँ समय-क्षेत्र (टाइम जोन) आधारित काम की प्रकृति के कारण कर्मचारी अक्सर देर रात तक उपलब्ध रहने को मजबूर होते हैं। यदि इस बिल को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए तो यह मानसिक शांति, व्यक्तिगत समय और पारिवारिक जीवन को संरक्षित करने की दिशा में बड़ा कदम होगा।

कार्य-जीवन संतुलन इस बिल की सबसे बड़ी उपलब्धि हो सकती है। भारत की युवा कार्यशक्ति अत्यधिक महत्वाकांक्षी है, परंतु अनियंत्रित कार्य-समय उसके व्यक्तिगत विकास, सामाजिक संबंधों और शारीरिक स्वास्थ्य को क्षति पहुँचा रहा है। ‘राइट टू डिस्कनेक्ट’ कर्मचारियों को यह सुरक्षा देता है कि उनके पास अपने लिए सुरक्षित समय होगा, जो किसी भी आधुनिक समाज की उत्पादक क्षमता के लिए बुनियादी शर्त है। विश्राम पाकर कर्मचारी केवल खुश नहीं होते बल्कि अधिक रचनात्मक, अधिक सतर्क और अधिक उत्पादक भी बनते हैं। कानूनी दृष्टि से यह बिल एक महत्वपूर्ण शून्य को भरता है। भारत के मौजूदा श्रम कानून अभी तक डिजिटल युग की आवश्यकताओं के अनुरूप नहीं हैं। इस बिल के लागू होने से एक औपचारिक ढाँचा तैयार होगा, जिसमें यह स्पष्ट हो पाएगा कि नियोक्ता की अपेक्षाएँ कार्य-समय के बाहर कितनी वैध हैं। इससे श्रमिक अधिकारों को मजबूती मिलेगी और कार्यस्थलीय शोषण की कई अनदेखी समस्याओं पर अंकुश लागेगा। हालाँकि, इस बिल की राह उतनी आसान नहीं है जितनी नजर आती है।

भारत की कार्य-संस्कृति स्वभावतः विविध है- बड़ी कंपनियों से लेकर छोटे स्टार्टअप, औपचारिक क्षेत्रों से लेकर लाखों अनौपचारिक और गिग वर्कर तक-सभी की कार्य-जरूरतें अलग-अलग हैं। एक समान नियम सभी क्षेत्रों पर लागू करना व्यवहारिक चुनौती बन सकता है। विशेषकर लघु व मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) में, जहाँ कर्मचारियों की संख्या कम और कार्य का बोझ अधिक होता है, बिल को लागू करना नियोक्ता के लिए कठिन हो सकता है। सबसे बड़ी जटिलता भारत के आईटी क्षेत्र में उभरती है, जहाँ अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों के कारण समय-सीमाएँ वैश्विक होती हैं। काम का स्वभाव ही ऐसा है कि कई बार कर्मचारियों को नियमित कार्य-समय से बाहर मीटिंग या ईमेल का उत्तर देना आवश्यक होता है। इसी तरह, पत्रकारिता, आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवाएँ, परिवहन और सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में 24x7 उपलब्धता नौकरी का मूल हिस्सा है। इन स्थितियों में ‘राइट टू डिस्कनेक्ट’ का शत-प्रतिशत अनुपालन संभव नहीं है। इसलिए यह बिल तभी प्रभावी होगा जब इसे लचीले क्षेत्र-विशिष्ट दिशा-निर्देशों के साथ लागू किया जाए। एक अन्य चुनौती भारतीय कॉर्पोरेट संस्कृति में निहित है- यहाँ कर्मचारी का मूल्यांकन अक्सर उसकी उपलब्धता से जोड़ा जाता है। कई कर्मचारी आशंका में रहते हैं कि वे यदि ऑफ-ड्यूटी संदेशों या कॉल का उत्तर नहीं देंगे तो उनकी छवि खराब होगी या करियर प्रभावित होगा। यह समस्या भय और दबाव की संस्कृति को जन्म देती है, जिसे बदलने के लिए केवल कानून पर्याप्त नहीं, बल्कि मानसिकता में दीर्घकालीन बदलाव आवश्यक है। इसके अतिरिक्त, तकनीकी दृष्टि से यह भी चुनौतीपूर्ण है कि नियोक्ता किस हद तक कर्मचारियों के डिजिटल उपकरणों की निगरानी कर सकते हैं। यदि कंपनियाँ निगरानी बढ़ाती हैं तो यह निजता के अधिकार का उल्लंघन कर सकती है। इसलिए बिल के साथ डिजिटल गोपनीयता के स्पष्ट मानक भी अनिवार्य होंगे। इन चुनौतियों के बावजूद, यह बिल कर्मचारी कल्याण की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। इसका वास्तविक प्रभाव तब दिखेगा जब कंपनियाँ इसे केवल ‘अनुपालन’ के रूप में न देखें बल्कि इसे मानव-केंद्रित कार्य-संस्कृति का आधार बनाएँ। कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण, नियोक्ताओं के लिए संतुलित दिशा-निर्देश और सरकार के लिए प्रभावी क्रियान्वयन तंत्र- ये तीन स्तंभ इस बिल को सफल बना सकते हैं।

दुनिया को डरा रहा है इस्लाम का जिहाद

हर हिंसक घटना के बाद सिर्फ यह कह देना कि इस्लाम शांति का धर्म (मजहब) है अब पर्याप्त नहीं है, क्योंकि सवाल धर्म (मजहब) की राजनीतिक और हिंसक व्याख्या का है। इसलिए वास्तविक संकट हथियारों से कहीं आगे उस सोच का है जो यह मानती है कि पूरी दुनिया किसी एक धार्मिक (मजहबी) पहचान के अधीन होनी चाहिए। यही सोच युवाओं को सिखाती है कि हिंसा पुण्य (सत्ताब) या अमल-ए-सालिह है और हत्या मजहबी कर्तव्य।



दुनिया एक बार फिर ऐसे प्रश्नों के सामने खड़ी है, जिनसे मुँह मोड़ना अब संभव नहीं। 14 दिसंबर को ऑस्ट्रेलिया की राजधानी सिडनी के बॉन्डी बीच पर हनुका उत्सव मना रहे यहूदियों पर हुआ घातक हमला सिर्फ एक आतंकी घटना नहीं कहा जा सकता है। यह उस वैचारिक संकट का प्रतीक है जो बीते दशकों से लगातार गहराता जा रहा है। साजिद और उसके बेटे नवीद द्वारा की गई इस अंधाधुंध गोलीबारी में 15 निर्दोष लोगों की मौत और कई के घायल होने के बाद यह सवाल फिर उभरा है कि आखिर वह कौन-सी सोच है जो धार्मिक पहचान के आधार पर हिंसा को जिहाद का नाम देकर उसे सही ठहराती है। जिसमें यह घटना ऐसे देश में घटी है, जहाँ न मुसलमानों पर कोई अत्याचार हो रहा था और न ही धार्मिक स्वतंत्रता पर कोई संकट है।

ऑस्ट्रेलिया को इस घटना के बाद नवीद अकरम का छह वर्ष पुराना वीडियो सामने आया है जो उसकी मानसिक संरचना को समझने में मदद करता है। वीडियो में वह कहता है कि अल्लाह का कानून हर पड़ाई और हर काम से ऊपर है और उसे हर किसी तक पहुँचाया जाना चाहिए। यह वाक्य साधारण नहीं है। यह उस सोच का प्रतिबिंब है, जिसमें सांसारिक शिक्षा, आधुनिक कानून और नागरिक कर्तव्यों से ऊपर एक धार्मिक (मजहबी) कानून को स्थापित किया जाता है। यही वह बिंदु है, जहाँ समस्या केवल व्यक्ति की नहीं रह जाती है, वह विचारधारा की बन जाती है।

यह प्रश्न स्वाभाविक है कि अल्लाह का कानून आखिर है क्या। इस्लाम में इसे व्यापक रूप से शरिया के रूप में जाना जाता है। मुसलमानों के लिए यह धार्मिक आस्था से अधिक जीवन जीने की संपूर्ण पद्धति मानी जाती है। इसी क्रम में सीरा, यानी पैगंबर मुहम्मद की जीवनी को आदर्श जीवन के रूप में प्रस्तुत किया गया है। इस्लामी ग्रंथों की कुछ व्याख्याएँ ऐसी भी हैं, जिसमें दुनिया को मुसलमानों और गैर-मुसलमानों के बीच स्पष्ट रूप से विभाजित किया गया है। गैर-मुस्लिम क्षेत्रों को ‘दारुल-हरब’ कहा गया है, यानी युद्ध का क्षेत्र। ऐसी व्याख्या में प्रमुखता से जिहाद शामिल है, जिसमें यह मान लिया गया है कि जो इस्लाम को स्वीकार नहीं करता, वह ‘शिक’ और ‘बुतपरस्ती’ के जुल्म में लिस है और उस जुल्म को समाप्त करना हर

मुसलमान का मजहबी कर्तव्य है। इस दृष्टिकोण में हिंसा आत्मरक्षा नहीं रहती, वह आक्रामक मजहबी अभियान बन जाती है।

यही कारण है कि इतिहास से लेकर वर्तमान तक, जिहाद शब्द का प्रयोग अक्सर हथियारबंद संघर्ष के अर्थ में हुआ है। कुरान का नौवां अध्याय, जो जिहाद पर केंद्रित माना जाता है, युद्ध और संघर्ष के संदर्भों से भरा है। कुरान (9:111) में ‘अल्लाह के काम’ के लिए ‘कत्ल करना और कत्ल होना’ का उल्लेख मिलता है। इसी अध्याय की आयतें-9:5, 9:29, 9:41, 9:73, 9:123 आक्रामक संघर्ष के आह्वान के रूप में उद्धृत की जाती रही हैं। हदीस-साहित्य में भी ऐसे कथन मिलते हैं, जिनका उपयोग वर्चस्ववादी दृष्टि को पुष्ट करने में किया गया है। उदाहरण के तौर पर सहोह बुखारी (4:53:392) में उद्धृत कथन, तुम सुरक्षित रहोगे, अगर इस्लाम कबूल कर लो। यह पूरी दुनिया अल्लाह की और मेरी है। को इतिहास में यहूदियों और अन्य गैर-मुसलमानों पर दबाव के औचित्य के रूप में पढ़ा गया है।

इसी प्रकार कुरान के दूसरे अध्याय की कुछ आयतों की व्याख्याएँ गैर-मुसलमानों को अधीन करने, धर्मांतरण या जबरिया के लिए मजबूर करने के रूप में प्रस्तुत की गई हैं। यही कारण है कि सदियों के इस्लामी इतिहास में ‘हथियारबंद लड़ाई’ और ‘जिहाद’ को अक्सर समानार्थी की तरह समझा गया। इन आयतों की व्याख्या को लेकर विद्वानों में मतभेद हो सकते हैं, किंतु यह तथ्य नकारा नहीं जा सकता कि कट्टरपंथी समूह इहाँ व्याख्याओं को आधार बनाकर हिंसा को धार्मिक वैधता प्रदान करते हैं।

इसी पुष्टिभूमि में भारत में जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी द्वारा दिए गए हालिया जिहाद संबंधी वक्तव्य को जरूर देखना चाहिए, उनका कहना है कि जब-जब जुल्म होगा, तब-तब जिहाद होगा और यह कि जिहाद का मूल अर्थ आत्मसंघर्ष, बुराइयों से मुक्ति और अन्याय के विरुद्ध प्रतिरोध है। वे इसे एक ‘पवित्र शब्द बताते हैं और यहाँ तक प्रस्ताव रखते हैं कि जिहाद के वास्तविक अर्थ को स्कूलों के पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए। सिद्धांत रूप में यह बात आकर्षक लग सकती है किंतु व्यवहार की धरातल पर जो हो रहा है, वह इन दावों से सेल नहीं

एआई पर टैक्स लगाने के बारे में सोचना शुरू कर देना चाहिए

केविन ओ नील रॉकफेयर फाउंडेशन में मैनेजिंग डायरेक्टर

शारद ही कोई दिन जाना ही, जब ऐसी खबरें ना आती हों कि एआई कैसे अर्थव्यवस्था को बदलने वाला है। भले ही इस बारे में बहुत सारे दावे बढ़ा-चढ़ाकर किए जाते हों, लेकिन हमें बदलावों के लिए तैयार तो रहना ही होगा। एआई समाज के लिए फायदेमंद हो, यह सुनिश्चित करने का सबसे भरोसेमंद तरीका है- टैक्स। तो वास्तव में एआई टैक्स कैसा होगा? इसका सबसे व्यावहारिक तरीका यह है कि एआई डेवलपमेंट के प्रमुख इनपुट्स यानी एनर्जी, चिप या कम्यूट-टाइम को टैक्स के लिए लक्षित किया जाए। अमेरिका ने कुछ खास एआई चिप की चीन को बिक्री पर 15%ड्यूट्यूचार्ज शुल्क लगाया है। इससे पता चलता है कि एआई इनपुट टैक्स कैसे कारगर हो सकता है। कुछ लोगों ने सुझाया है कि हमें एआई से हो रहे बदलावों के मद्देनजर पुंजी पर टैक्स लगाने का तरीका

भी बदलना चाहिए।

एआई-टैक्स का कोई भी ढांचा इस पर निर्भर करेगा कि सरकारें इससे क्या हासिल करना चाहती हैं। कोई यह भी पूछ सकता है कि हमें एआई पर टैक्स लगाना ही क्यों चाहिए? इस सवाल का जवाब हमारी टैक्स प्रणालियों और एआई कैसे अर्थव्यवस्था को बदल रहा है- इस बारे में दो बुनियादी बातें बताता है। पहली, कई देश फिलहाल श्रम बाजार में मानव श्रमिकों पर उनके संभावित एआई प्रतिस्पर्धियों की तुलना में ज्यादा टैक्स लगाते हैं। अमेरिका में लगभग \$5ब केंद्रीय राजस्व लोगों और उनके काम पर लगाए टैक्स से आता है। जबकि पुंजी और कॉर्पोरेट मुनाफों से काफी कम टैक्स वसूली होती है। एआई जैसी तकनीकों को रियायतों और कॉर्पोरेट टैक्स की किफायती वरों जैसी राहत मिलती है।

दूसरी बात, अर्थशास्त्रियों को उम्मीद है कि एआई श्रम की तुलना में अधिक वित्तीय लाभ देगा। इसका सबसे चरम रूप वो एआई एजेंट होंगे, जो खुद

डिजाइन, रेप्लिकेट और सेल्फ-मैनेजिंग में सक्षम होंगे। यानी पूंजी खुद ही श्रम की भूमिका निभाएगी। वर्तमान कर-नीतियों के तहत ऐसा बदलाव विपमान बढ़ाएगा और जीडीपी के अनुपात में सरकारी राजस्व कम करेगा।

एआई टैक्स इंसानों और मशीनों, दोनों के लिए समान अवसरों वाला मंदान तैयार कर सकता है। इस साल को शुरुआत में एंथ्रोपिक के सीओओ डारियो अमोदेई ने चेतावनी दी थी कि एआई अगले पांच वर्षों में एंटी लेबल की आधी व्हाइट कॉलर नौकरियों को समाप्त कर सकता है। इससे पांच वर्षों में बेरोजगारी 10-20प्रतिशत तक पहुंच सकती है।

श्रम पर पुंजी से अधिक टैक्स लगाना ऑटोमेशन को बढ़ावा देता है, जिससे मानव श्रमिकों की सहायता तो कर्तव नहीं होती, बल्कि मशीनों उनकी जगह ले लेती हैं। कम से कम हम अपनी टैक्स प्रणाली को तो ऐसा नहीं करने दें।

एक बड़ी बात यह भी है कि यदि बड़ी संख्या में

गोवा मुक्ति दिवस: राष्ट्रवादी विचारों का संकल्प

गोवा को आजाद हुए आज 64 वर्ष पूरे हो गए। इसे हर वर्ष 19 दिसंबर को ‘गोवा मुक्ति दिवस’ के रूप में मनाया जाता है। ‘मुक्ति दिवस’ एक ऐसा राष्ट्रवादी विचारों वाला अहसास है जो प्रत्येक भारतीयों में अपने अधिकारों के लिए लड़ने का न सिर्फ प्रेरित करता है बल्कि सहासिक संबल भी प्रदान करता है। 15 अगस्त 1947 को जब पूरा देश स्वतंत्रता का उत्सव मना रहा था, तब गोवा पुर्तगाली शासन की जंजीरों में जकड़ा था। गोवा मुक्ति दिवस इसी अन्याय के अंत और गोवा की वास्तविक आजादी का जश्न है। भारत की आजादी के 14 वर्षों बाद गोवा मुक्त हुआ। इसे ‘गोवा क्रांति’ के नाम से जाना जाता है जिसकी आज 64 वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है।

गोवा की आजादी के लिए सैन्य बलों और क्रांतिकारियों ने 19 दिसंबर की तारीख तय की थी। यह गोवा में पुर्तगाली औपनिवेशिक शासन के अंत और हिंदुस्तानी सशस्त्र बलों के साहसिक अभियान का प्रतीक है।

गौरतलब है कि 16वीं शताब्दी से पुर्तगालियों ने गोवा पर कब्जा करना आरंभ कर दिया था। साल 1498 में ‘वास्कोडिगामा’ समुद्री मार्ग से भारत पहुंच कर पुर्तगालियों को धीरे-धीरे भारत के तटीय क्षेत्रों में बसना शुरू कर दिया था। उसके बाद उन्होंने अपने व्यापारिक और राजनीतिक किले बनाने आरंभ किए। धीरे-धीरे उन्होंने वर्चस्व स्थापित कर लिया। उनके साम्राज्य का 1961 में अंत कर दिया गया। गोवा को आजाद कराने के लिए भारतीय सैन्य अभियान इतना तेज शुरू हुआ कि उसके सामने पुर्तगाली सेना महज कुछ घंटे टिक सकी। अभियान के बीच में ही करीब 10 हजार पुर्तगाली सैनिकों ने आत्मसमर्पण कर



हथियार जमीन पर खल दिए। वर्ष 1961 में भारतीय सेना ने अपने अदम्य शौर्य से ‘ऑपरेशन विजय’ के तहत गोवा को करीब 450 साल के पुर्तगाली शासन से मुक्त कराया। भारतीय सेना ने लगभग 36 से 40 घंटे बिना रुके सैन्य अभियान चलाकर गोवा, दमन और दीव को पुर्तगालियों के चंगल से छुड़वाने में सफलता हासिल की थी।

पुर्तगाली शासन से मुक्ति के बाद साल 1987 में गोवा को भारत का 25वां राज्य घोषित किया गया। गोवा सन् 1510 से लेकर 1961 तक पुर्तगालियों के कब्जे में रहा। पुर्तगाली किसी भी स्थिति में गोवा छोड़ना नहीं चाहते थे। गोवा की प्राकृतिक सुंदरता और कुररती संपदा पर वे कब्जा बनाए रखना चाहते थे। भारत को अंग्रेजों से 1947 में आजादी मिल गई

लेकिन गोवा तब भी पुर्तगालियों का गुलाम रहा। इसलिए उस समय भारत को पूर्ण आजाद नहीं माना जा रहा था क्योंकि देश का एक महत्वपूर्ण हिस्सा पुर्तगालियों के शासन में था। गोवा की आजादी के लिए स्वतंत्रता संग्राम 1940 के दशक में शुरू हुआ। साल 1946 में डॉ. राममनोहर लोहिया ने पुर्तगालियों के खिलाफ आवाज उठाने के लिए भारतीयों को प्रेरित किया। उनके आह्वान को स्वीकारते हुए गोवा मुक्ति की लड़ाई राष्ट्रवादी विचारों से प्रभावित लोगों ने सामूहिक रूप से लड़ी, जिसका नजोता ये निकला कि गोवा मुक्त हुआ।

गोवा को मुक्त करवाने के लिए क्रांतिकारियों ने सबसे पहले अहिंसा, शांति पाठ और कूटनीतिक रास्ता अपनाया। लेकिन उनकी उदारता का पुर्तगाल सेना ने

खाता। न भारत में और न ही ऑस्ट्रेलिया में ऐसी कोई स्थिति थी, जिसे जुल्म कहकर हिंसा को जायज ठहराया जा सके। फिर भी निर्दोष गैर-मुसलमानों की हत्या का सिलसिला पूरी दुनिया में चल रहा है।

कहना होगा कि इस वैचारिक ढांचे का परिणाम आज पूरी दुनिया झेल रही है। जम्मू-कश्मीर में लगातार हिंदू यात्रियों और सूरक्षा बलों पर हमले हों, यूरोप में चर्चा, यहूदी केंद्रों और स्कूलों को निशाना बनाया जाए, रूस के मॉस्को कॉन्सर्ट हॉल में सामूहिक हत्या हो या अफ्रीका में गैर-मुस्लिम गांवों पर धावा बोलना रहा है, हर जगह इसे देखा जा सकता है। यहाँ यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि इस अलौचना का उद्देश्य पूरे मुस्लिम समाज को कटघरे में खड़ा करना नहीं है। किंतु यह भी उनका ही सच है कि जब तक इस्लाम के भीतर मौजूद कट्टर और आक्रामक व्याख्याओं पर खुली बहस और आत्मालोचना नहीं होगी, तब तक यह समस्या समाप्त नहीं होगी।

हर हिंसक घटना के बाद सिर्फ यह कह देना कि इस्लाम शांति का धर्म (मजहब) है अब पर्याप्त नहीं है, क्योंकि सवाल धर्म (मजहब) की राजनीतिक और हिंसक व्याख्या का है। इसलिए वास्तविक संकट हथियारों से कहीं आगे उस सोच का है जो यह मानती है कि पूरी दुनिया किसी एक धार्मिक (मजहबी) पहचान के अधीन होनी चाहिए। यही सोच युवाओं को सिखाती है कि हिंसा पुण्य (सत्ताब) या अमल-ए-सालिह है और हत्या मजहबी कर्तव्य। यदि इस मानसिकता की जड़ों पर प्रहार नहीं किया गया तो कोई भी सुरक्षा तंत्र, कोई भी कानून और कोई भी सैन्य कार्रवाई स्थायी समाधान नहीं दे सकती है।

अब निर्णय दुनिया के धार्मिक नेताओं, सरकारों और बौद्धिक वर्ग को लेना है। आखिर वे क्या चाहते हैं? क्या वे इस समस्या को कानून-व्यवस्था का मामला मानते रहेंगे या उस वैचारिक खात को भी चिन्हित करेंगे, जिससे यह हिंसा जन्म लेती है। गैर-मुसलमानों पर हिंसा हर हाल में रुकनी चाहिए। यह किसी एक देश या एक समुदाय तक सीमित समस्या नहीं है, आज प्रश्न संपूर्ण मानवता का है। यदि आज भी इस पर गंभीर, ईमानदार और साहसी हस्तक्षेप नहीं हुआ तो तय मानिए कल इसकी कीमत और अधिक निर्दोष लोगों को जान एवं हिंसा से चुकानी पड़ेगी।

नौकरियां खत्म होती हैं या नई भर्तियां भीमी होती हैं तो अभी आख और पे-रोल करों पर निर्भर सरकारों के सामने गंभीर वित्तीय संकट पैदा हो सकता है। भले ही बाद में एआई संबंधी नए रोजगार पैदा हो जाएं। सही कर-नीतियाँ एआई से उत्पादकता को आमूल उछाल के साथ मिलकर वित्तीय समस्याओं का हल कर सकती हैं। अमेर देश बुजुर्ग आबादी के लिए स्वास्थ्य सेवा और पेंशन का पैसा जुटाने की समस्या से जूझ रहे हैं। जबकि गरीब देशों के सामने कर-संबंधी आय कम होने के बावजूद बड़ी युवा आबादी को शिक्षित करने और रोजगार देने की चुनौतियाँ हैं। ऐसे में एआई से प्राप्त होना व्लाड टैक्स-राजस्व इन दोनों की समस्याओं का समाधान बन सकता है। इसके अलावा इस राजस्व को वापस एआई-संबंधी कार्यों में भी खर्च किया जा सकता है। इससे यह स्पष्ट होता है कि उद्देश्य जताते के लिए उस तकनीक के लाभों को बढ़ाना है, जिस पर कर वसूला गया है। एआई टैक्स से बेरोजगारी बीमा बढ़ाना जा सकता और हटाए गए मजदूरी की री-ट्रेनिंग हो सकती है।

अब विजय हजारे ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेंगे शमी

छाँसी, नई दिल्ली

पिछले काफी समय से भारतीय टीम के बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी अब बंगाल की ओर से विजय हजारे ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेंगे। शमी ने इस बार चेरलू सत्र में शानदार गेंदबाजी करते हुए 36 विकेट लेकर अपने फॉर्म को और फिटनेस को दिखाया है। साबित करने का काम किया शमी को इसके बाद भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक भी ग्राहप में जगह नहीं मिली थी। ऐसे में वह अपना गुस्सा विजय हजारे ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन कर निकालेंगे। चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद से ही से ही शमी राष्ट्रीय टीम से बाहर है। इसके पीछे उनके फिट नहीं होने का कारण बताया गया है। वहीं शमी ने चेरलू मुकामलों में शानदार प्रदर्शन कर दिखाया है कि अभी उनमें काफी क्रिकेट शेष है। लाल गेंद से शमी ने सत्र में चार रणजी मैचों में 20 विकेट लिए, जिसमें उनका औसत 18.60 रहा। इसके बाद सैयद सुरताक अली ट्रॉफी में भी शमी



का बेहतरीन फॉर्म जारी रखी और सात मैचों में उन्होंने 16 विकेट लिए। इस दौरान उनका औसत 14.93 का रहा। विजय हजारे ट्रॉफी में

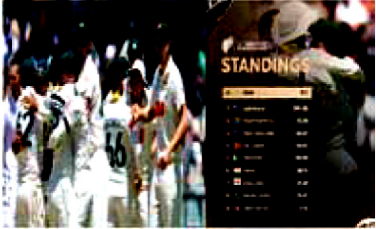
शमी बंगाल के गेंदबाजी की कमान संभालेंगे। उनका सहयोग आकाश दीप और मुकेश कुमार करेंगे। बंगाल की कप्तानी अभिमन्यु ईश्वरन करेंगे। बंगाल को एलीट ग्रुप बी में रखा गया है जिसमें उसे अपना पहला मैच 24 दिसंबर को राजकोट में विदर्भ के खिलाफ खेला है। इस ग्रुप में असम, बड़ीदा, जम्मू-कश्मीर, हैदराबाद, चंडीगढ़ और उत्तर प्रदेश की टीमें भी शामिल हैं। टूर्नामेंट अहमदाबाद (ग्रुप ए), राजकोट (ग्रुप बी), जयपुर (ग्रुप सी) और अलूर (ग्रुप डी) में खेला जाएगा, जबकि नॉकआउट मैच 12 से 18 जनवरी तक बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में होंगे।

बंगाल टीम: अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), अनुस्तुप मजुमदार, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), सुदीप कुमार घरामी, सुमंत गुप्ता, सुमित नाग (विकेटकीपर), चंद्रहास दाश, शाहबाज अहमद, करण लाल, मोहम्मद शमी, आकाश दीप, मुकेश कुमार, सयान घोष, रवि कुमार, आभिर गनी, विशाल भाटी, अंकित मिश्रा।

डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा कायम, इंग्लैंड का बुरा हाल

छाँसी, एडिनेड

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पांच मैचों की एशेज सीरीज के तीसरे टेस्ट मैच में इंग्लैंड को 82 रनों से हराकर 3-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की अंक तालिका में अपना दबदबा कायम रखा है। टीम डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में पहले स्थान पर बरकरा है, जबकि इंग्लैंड टीम की स्थिति बेहद खराब बनी हुई है। इंग्लिस टीम अंक तालिका में सातवें स्थान पर है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की तालिका पर नजर डालें, तो ऑस्ट्रेलिया की टीम ने अब तक खेले छह मुकामलों में सभी में जीत हासिल की है। टीम के खाते में 72 अंक हैं और अंक प्रतिशत 100 का है। इससे वह 2027 में लाइडर्स (इंग्लैंड) में लगातार तीसरी बार फाइनल में पहुंचने के लिए अच्छी स्थिति में है। दूसरी ओर, इस हार से इंग्लैंड के लिए पहली बार विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने की राह और भी कठिन हो गई है। बेन स्टोक्स की टीम अंक तालिका में सातवें स्थान पर है। उनके खाते में 26 अंक हैं और 27.08 का अंक प्रतिशत



है। इस चक्र में खेले गए आठ मैचों में से टीम ने केवल दो मैच जीते हैं। इंग्लैंड के पास अभी भी ऑस्ट्रेलिया में एशेज टेस्ट के दो और मैच हैं जिनमें वे अंक तालिका में अपनी स्थिति सुधार सकते हैं। अन्य टीमों की स्थितिडब्ल्यूटीसी की अंक तालिका में दूसरे स्थान पर दक्षिण अफ्रीका की टीम है। अफ्रीकी टीम ने हाल ही में भारतीय टीम को दो टेस्ट मैचों की सीरीज में 2-0 से हराया था। टीम ने अब तक खेले चार मैचों में तीन में जीत दर्ज की है। उनका अंक प्रतिशत 75 है। शीर्ष पांच में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के अलावा न्यूजीलैंड तीसरे स्थान पर, श्रीलंका चौथे पर और पाकिस्तान की टीम पांचवें स्थान पर है। भारतीय टीम डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में छठे स्थान पर है। शुभमन गिल की अगुआई वाली

भारतीय टीम को अब तक खेले नौ मैचों में सिर्फ चार में जीत मिली है। टीम के खाते में 52 अंक हैं और अंक प्रतिशत 48.15 है। इंग्लैंड की टीम सालवें पायदान पर, बांग्लादेश आठवें और नौवें स्थान पर वेस्टइंडीज की टीम है। ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड तीसरे मैच का हालऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को तीसरे एशेज टेस्ट में 82 रनों से हरा दिया। एडिनेड में खेले गए इस टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी के शतक (106) और उस्मान ख्वाजा के अभूतशतक (82) की मदद से 371 रन बनाए। इसके जवाब में इंग्लैंड टीम ने कप्तान बेन स्टोक्स के 83 रन की बदौलत अपनी पहली पारी में 286 रन बनाए। इससे ऑस्ट्रेलिया को 85 रन की बढ़त मिली। इसके बाद दूसरी पारी में मेजबान टीम ऑस्ट्रेलिया ने सलामी बदलेबाज ट्रेविस हेड की 170 रनों की शानदार पारी के दम पर 349 रन बनाए और कुल 434 रनों की बढ़त हासिल की। इससे इंग्लैंड को जीत के लिए 435 रनों का लक्ष्य मिला। जवाब में रविवार को मैच के अंतिम दिन दूसरी पारी में इंग्लैंड की टीम 352 रनों पर अल्लआउट हो गई और लगातार तीसरा मुकामला हार गई।

स्टेन ने हार्दिक को सुपरहीरो और सेलिब्रिटी खिलाड़ी बताया

छाँसी, अहमदाबाद

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने आक्रामक पारी खेलने वाले भारतीय टीम के अंतराड्डर हार्दिक पांड्या की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें सुपरहीरो कहा है। स्टेन ने कहा कि पांड्या मानसिक रूप से काफी मजबूत खिलाड़ी हैं और उनकी चमक खेल में नजर आती है। पांड्या ने पांचवें टी20 में तेजी से अप्रशंशक लगाते हुए भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। स्टेन ने कहा, "हार्दिक ने शानदार प्रदर्शन किया। वह एक खिलाड़ी से आगे निकलकर से सेलिब्रिटी बन गए हैं। वह किसी एक फिल्म के सुपरहीरो जैसे हो गए हैं जहां कोई भी उनकी रणनीति नहीं बदल सकता।" उन्होंने कहा, "इसमें कोई गलती जैसे बात नहीं है, ये



अपनी धाक जमाने जैसी बात है। यह एक ऐसा प्रभाव है जिसकी बराबरी कोई नहीं कर सकता। आप इसे उनकी भाव भंगिमा में देख सकते हैं। वह मानसिक रूप से एक अलग ही स्तर पर हैं। इस प्रकार वह अन्य खिलाड़ियों से आगे हैं।" स्टेन ने कहा कि उनके तेज गेंदबाजों का रख सतर्क नहीं रहा। जिससे

सैमसन का अंदर-बाहर होते रहने पर छलका दर्द

छाँसी, मुंबई

भारतीय टीम से अंदर-बाहर होते रहे विकेटकीपर बल्लेबाज संजु सैमसन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अंतिम टी20 मैच में अच्छी बल्लेबाजी कर साबित किया है कि सलामी बल्लेबाज के तौर पर ही वह बेहतर बल्लेबाजी करते हैं। सैमसन को शुरुआती चार मैचों में जगह नहीं मिली थी। शुभमन गिल की वापसी के बाद उन्हें पारी की शुरुआत से हट दिया गया था जिसपर काफी लम्बा भी उठे थे। वहीं उनकी टीम में जगह पकड़ी न होने को लेकर तर्क दिया जाता रहा है कि उनके खेल में निरंतरता की कमी रही है। शुभमन के चोटिल होने के कारण उन्हें अंतिम मैच में शामिल किया गया। वहीं समय-समय पर सैमसन ने टीम में जगह नहीं मिलने पर अपनी निराशा भी जाहिर की है। इरफान पटान से बातचीत के दौरान सैमसन का दिल का गुब्बार निकल या। . इस



दौरान सैमसन ने कहा कि लगातार अंदर-बाहर होने से उनका हौसला टूटा है। पटान ने उनसे पूछा, "आप जब मैच नहीं खेल रहे थे तो मजे के लिए क्या कर रहे थे?" इसके जवाब में सैमसन ने कहा, "मजे के लिए इंतजार कर रहा था बस। आप जानते हो इरफान भाई चयन के लिए हम ज्यादा कुछ नहीं कर नहीं सकते हैं। बस ट्रेनिंग करो और खुश रहो, जितना हो सकता है अपनी भागीदारी निभाओ।" वहीं जब पटान ने पूछा कि "जब आप नहीं खेल रहे थे तो टीम प्रबंधन आपके से क्या बात कर रही थी और कितना बात कर रही थी।" इसपर सैमसन ने कहा, "टीम का माहौल बहुत महत्वपूर्ण रहता है।

भारतीय टीम अब नये साल में ही मैदान में उतरेगी

रौहिल, विराट भी खेलते दिखेंगे

छाँसी, मुंबई

भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में जीत के साथ ही साल की अपनी अंतिम सीरीज का सफल समापन किया है। अब भारतीय टीम को आगामी टी20 विश्वकप से पहले न्यूजीलैंड से एकदिवसीय और टी20 सीरीज खेलनी है। न्यूजीलैंड के भारत दौरे की शुरुआत 11 जनवरी से तीन मैच की एकदिवसीयसीरीज के साथ होगी। इस सीरीज में एक बार फिर रौहिल शर्मा और विराट जैसे दिग्गजों को प्रशंसक बल्लेबाजी करते देख सकेंगे। इन दोनों ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था। इसके बाद भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मैच की टी20 सीरीज खेलनी है। फरवरी में होने वाले टी20 विश्वकप को देखते हुए ये सीरीज बेहद अहम रहेगी। इसके बाद टीम टी20 विश्वकप में उतरेगी। जिस प्रकार का प्रदर्शन भारतीय टीम को इस साल रहा है वैसा ही वह नये साल में भी करना चाहेंगी। इस साल भारतीय टीम एक भी सीरीज नहीं हारी है। अब कीवी टीम के खिलाफ सीरीज में भारतीय टीम प्रबंधन का लक्ष्य विश्वकप से पहले खिलाड़ियों को आजमान रहेगा।

भारत -न्यूजीलैंड सीरीज पहला एकदिवसीय: 11 जनवरी, 2026 (रविवार) - कोर्टनी स्टेडियम, वडोदरा - दोपहर 1:30 बजे



दूसरा एकदिवसीय: 14 जनवरी, 2026 (बुधवार) - निरंजन शाह स्टेडियम, राजकोट - दोपहर 1:30 बजे
तीसरा एकदिवसीय: 18 जनवरी, 2026 (रविवार) - होल्कर क्रिकेट स्टेडियम, इंदौर - दोपहर 1:30 बजे
टी20 सीरीज पहला टी20 मैच- 21 जनवरी को नागपुर में, शाम 7 बजे से
दूसरा टी201 मैच- 23 जनवरी को रायपुर में, शाम 7 बजे से
तीसरा टी201 मैच- 25 जनवरी को गुवाहाटी में, शाम 7 बजे से
चौथा टी201 मैच- 28 जनवरी को विशाखापत्तनम में, शाम 7 बजे से
पांचवां और आखिरी टी201 मैच- 31 जनवरी को तिरुवनंतपुरम में, शाम 7 बजे से

अगले सप्ताह खुलेंगे 11 नए आईपीओ, 5 कंपनियों की होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली। सोमवार यानी 22 दिसंबर से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में हलचल बनी रहने वाली है। सिर्फ चार कारोबारी दिन वाले इस सप्ताह में 11 कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च कर रही हैं। इनमें से सिर्फ एक गुजरात किडनी एंड सुपर स्पेशलिटी का आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट का है। शेष 10 कंपनियों के आईपीओ एसएसई सेगमेंट के हैं। इन 11 नए आईपीओ के अलावा पिछले सप्ताह 18 दिसंबर को सनस्क्रिप्शन के लिए खुले एक आईपीओ में भी कल यानी 22 दिसंबर तक निवेशक बोली लगा सकेंगे। इस सप्ताह पांच कंपनियों के शेयर लिस्टिंग के जरिये स्टॉक मार्केट में अपने कारोबार की शुरुआत कर सकते हैं। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन 22 दिसंबर को गुजरात किडनी एंड सुपर स्पेशलिटी का 250.80 करोड़ रुपये का ही डचेपल्लो पब्लिशर्स के लिए खुल रहा है। इस पब्लिक इश्यू में 24 दिसंबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू में बोली लगाने के लिए 108 रुपये से लेकर 114 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 128 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 30 दिसंबर को कंपनी के शेयर बीएसई



और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। इसी दिन ईपीडब्ल्यू इंडिया का 31.81 करोड़ रुपये का आईपीओ सनस्क्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस पब्लिक इश्यू में भी 24 दिसंबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू में बोली लगाने के लिए 95 रुपये से लेकर 97 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 30 दिसंबर को कंपनी के शेयर एनएसई के एसएसई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। 22 दिसंबर को ही डचेपल्लो पब्लिशर्स का 4,039 करोड़ रुपये का आईपीओ सनस्क्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस पब्लिक इश्यू में भी 24 दिसंबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू में बोली लगाने के लिए 100 रुपये से लेकर 102 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। आईपीओ की

क्लोजिंग के बाद 30 दिसंबर को कंपनी के शेयर बीएसई के एसएसई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इसी दिन सुंदरस ऑनल का 32.25 करोड़ रुपये का आईपीओ सनस्क्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस पब्लिक इश्यू में भी 24 दिसंबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू में बोली लगाने के लिए 81 रुपये से लेकर 86 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 30 दिसंबर को कंपनी के शेयर एनएसई के एसएसई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इसके अलावा श्याम धानी इंडस्ट्रीज का 38.49 करोड़ रुपये का आईपीओ भी 22 दिसंबर को ही सनस्क्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस पब्लिक इश्यू में भी 24 दिसंबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू में बोली लगाने के लिए 65 रुपये से लेकर 70 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 30 दिसंबर को कंपनी के शेयर एनएसई के एसएसई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन 23 दिसंबर को धारा रेल प्रोजेक्ट्स का 50.20 करोड़ रुपये का आईपीओ सनस्क्रिप्शन के लिए खुल रहा है।

टीवीएस आईक्वूब इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की लगातार बढ़ रही बिक्री

नई दिल्ली। बढ़ती ईंधन कीमतों और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की ओर ग्राहकों के झुकाव के बीच टीवीएस आईक्वूब भारतीय इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की बिक्री लगातार बढ़ रही है। इसे खरीदने से पहले एक अहम पहलू है, जिस पर ध्यान देना जरूरी है, और वह है बैटरी बदलने का खर्च, क्योंकि यह इलेक्ट्रिक स्कूटर का सबसे महंगा हिस्सा होता है। टीवीएस आईक्वूब की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत करीब 95 हजार रुपये से शुरू होती है। यह स्कूटर आईक्वूब, आईक्वूब एस



और आईक्वूब एसटी जैसे वैरिएंट्स में उपलब्ध है। जरूरत और बजट के हिसाब से ग्राहक इनमें से चुनाव कर सकते हैं। कंपनी समय-समय पर अपने इलेक्ट्रिक पोर्टफोलियो को अपडेट कर रही है, जिससे इसकी

पहूंच और बढ़ी है। बैटरी की बात करं तो आईक्वूब में 2.2 केडब्ल्यूएच और 3.4 केडब्ल्यूएच के बैटरी पैक मिलते हैं। रिपोटर्स के अनुसार, नई बैटरी बदलवाने पर 60 से 70 हजार रुपये तक खर्च आ सकता है, जबकि टॉप वैरिएंट आईक्वूब एसटी में यह खर्च 90 हजार रुपये तक पहुंच सकता है। कंपनी बैटरी पर वारंटी देती है, लेकिन दुर्घटना या फिजिकल डैमेज की स्थिति में, यह वारंटी लागू नहीं होती। हालांकि, रनिंग कॉस्ट के मामले में यह स्कूटर काफी किफायती है।

स्मार्टफोन मोटोरोला एज 70 लॉन्च

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में मोटोरोला ने अपना नया प्रीमियम मिड-रेंज स्मार्टफोन मोटोरोला एज 70 लॉन्च कर दिया है। यह फोन सिर्फ 5.99एमएम पतला और 159 ग्राम वजन है, जिससे यह सेगमेंट के सबसे स्लिम स्मार्टफोन्स में शामिल हो गया है। इसकी सबसे बड़ी खासियत इसका अल्ट्रा-थिन डिजाइन है। डिजाइन के लिए इसमें एयरक्राफ्ट-ग्रेड एल्यूमिनियम फ्रेम और टेक्सचर्ड बैक पैन्ल दिया गया है। मोटोरोला एज 70 को भारत में 8जीबी रैम और 256जीबी स्टोरेज के सिंगल वैरिएंट में लॉन्च किया गया है, जिसकी कीमत 29,999 रुपये रखी गई है। यह फोन 23 दिसंबर से बिक्री के लिए उपलब्ध होगा। कंपनी लॉन्च



ऑफर के तहत कैशबैक भी दे रही है। फोन में 6.7 इंच का पीओलेड डिस्प्ले दिया गया है, जो 120एचझेड रिफ्रेश रेट और 4500 मिट्स पीक ब्राइटनेस को सपोर्ट करता है। बेहतर सुरक्षा के लिए इसमें गोएल्ला ग्लास 7आई और इन-डिस्प्ले फिंगरप्रिंट सेंसर दिया गया है। कैमरा सेटअप में 50एमपी का प्राइमरी कैमरा, 50एमपी अल्ट्रा-वाइड और 50एमपी का फ्रंट कैमरा शामिल है, जो 4के वीडियो रिकॉर्डिंग को सपोर्ट करता है।

सेंसेक्स की 10 में 6 कंपनियों के बाजार पूंजीकरण 75,257 करोड़ बढ़ा

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में गिरावट को बावजूद बीएसई की टॉप-10 कंपनियों में मिली-जुली चाल देखी गई। पिछले सप्ताह छह कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (एमकेप) में कुल 75,257 करोड़ रुपए की बढ़त हुई, जबकि बाकी चार कंपनियों के एमकेप में कुल 45,842 करोड़ रुपए की गिरावट दर्ज हुई। इस सप्ताह सबसे अधिक लाभ टीसीएस को हुआ, जिसका एमकेप 22,595 करोड़ रुपए बढ़ा। इसके बाद इंफोसिस का



एमकेप 16,972 करोड़ रुपए बढ़ा। भारतीय स्टेट बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के एमकेप में क्रमशः 15,923 करोड़ और 12,315 करोड़ रुपए की बढ़ती हुई। वहीं भारती एयरटेल का एमकेप 7,384 करोड़ रुपए और लार्सन एंड टूब्रो

दिल्ली एयरपोर्ट को कोहरे के कारण 97 उड़ानें रद्द, 200 से अधिक सेवाओं में देरी

नई दिल्ली। घने कोहरे के कारण पिछले कई दिन से दिल्ली और अन्य हवाई अड्डों पर उड़ान संचालन बाधित है। नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (आईजीआईए) पर रविवार को कोहरे व कम दृश्यता के चलते कुल 97 उड़ानें रद्द कर दी गईं और 200 से अधिक उड़ानों में विलंब हुआ। इंडिगो एयरलाइन ने कम बिजिबिलिटी और कोहरे की वजह से फ्लाइट शेड्यूल को लेकर एडवाइजरी जारी की है। अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि दिल्ली हवाई अड्डे पर 48 आगमन और 49 प्रस्थान उड़ानें रद्द कर दी गईं। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट 'फ्लाइडार24 डॉट कॉम' पर उपलब्ध नवीनतम जानकारी के अनुसार, 200 से अधिक उड़ानों में विलंब हुआ और हवाई अड्डे पर उड़ानों के प्रस्थान में औसतन लगभग 23 मिनट की देरी हुई। दिल्ली एयरपोर्ट के संचालक डीआईएलएलए के मुताबिक दोपहर के बाद से परिचालन सुचारु रूप से जारी है।

का लगभग 69 करोड़ रुपए बढ़ा। वहीं इस सप्ताह एचडीएफसी बैंक को सबसे अधिक नुकसान हुआ, जिसका एमकेप 21,920 करोड़ रुपए घटा। इसके अलावा एलआईसी** का एमकेप 9,614 करोड़ रुपए, आईसीआईसीआई बैंक का 8,428 करोड़ रुपए और बजाज फाइनेंस का 5,880 करोड़ रुपए गिरा। सप्ताह के अंत में रिलायंस इंडस्ट्रीज 21.18 लाख करोड़ रुपए के बाजार मूल्य के साथ पहले स्थान पर रही।



मैंने प्यार किया फेम माधवश्री पर चढ़ा बनारस का रंग

90 के दशक की सुपरहिट फिल्म मैंने प्यार किया फेम भाग्यश्री सोशल मीडिया के जरिए फैस के साथ जुड़ी रहती हैं। अभिनेत्री हाल ही में बनारस की सैर पर थी। शनिवार को अभिनेत्री ने घाट की शानदार तस्वीरें शेयर कीं। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ खूबसूरत तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में अभिनेत्री गंगा घाट पर आनंद लेती नजर आ रही हैं। उन्होंने पोस्ट कर एक मजेदार कैप्शन लिखा, बनारस की सुबह। यहां की सुबह कुछ अलग ही होती है। यहां पर सुकून और शांति मिलती है, जैसे सभी नदियों में गंगा का पानी सबसे खास हो। यहां आकर इंसान खुद को भूल जाता है और नाविक आपको गंगा पार कराकर आपसे ही आपको पहचान करा देता है। उन्होंने आगे लिखा, बनारस की हर सुबह अलग होती है। आज मौसम बादलों से भिरा था, इसलिए सूरज की पहली किरणें नहीं दिखीं। फिर भी यह अनुभव बहुत शांत और अद्भुत था। फैस को अभिनेत्री का ये पोस्ट काफी पसंद आ रहा है। वे कमेंट सेक्शन में खुलकर अपना प्यार लुटा रहे हैं। वहीं एक यूजर ने कमेंट सेक्शन में लिखा, गंगा मैया चे विस्तिर्ण पात्र, निर्मळ पाणी 'गंगा तेरा पानी अमृत, झर झर बहता जाए, युग युग से इस देश की धरती, तुझसे जीवन पाए।' अभिनेत्री ने अपने करियर में भले ही कुछ ही फिल्मों में काम किया हो, लेकिन दर्शकों के दिलों में वे आज भी मौजूदगी दर्ज करवाती हैं।

अनुपम खेर ने इस बात के लिए की करीना कपूर की तारीफ



अभिनेता अनुपम खेर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। वह अक्सर अपनी जिंदगी से जुड़ी अपडेट साझा करते रहते हैं। हाल ही में वह अभिनेत्री करीना कपूर से एक फ्लाइंग में मिले। उन्होंने करीना के साथ तस्वीरें ली और इसे इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। तस्वीरें शेयर करते हुए अभिनेता ने करीना के बारे में कई बातें लिखी हैं।

करीना कपूर के साथ तस्वीरें शेयर करते हुए अनुपम खेर ने पोस्ट में लिखा 'फ्लाइंग में करीना कपूर के साथ। मैं बेवो से साल 2000 में 'रिफ्यूजी' के सेट पर मिला था। यह उनकी डेब्यू फिल्म थी। वह बेहद खूबसूरत, आत्मविश्वासी होने के साथ-साथ थोड़ी नाजुक भी थीं। वह बड़ा

मुकाम हासिल करने के लिए बेचैन थीं। एक इंसान के तौर पर वह कमाल की हैं। कई वर्षों में उन्होंने बहुत तरक्की की है।'

अच्छे रोल की तलाश में करीना कपूर

अनुपम खेर ने आगे लिखा 'बीते कल हम एक ही फ्लाइंग में थे। हमने कई चीजों के बारे में बातें कीं। 25 वर्षों के बाद यह जानकर अच्छा लगा कि वह अच्छे रोल की तलाश में हैं। वह एक बेहतरीन इंसान हैं और उन्हें बात करना पसंद है। मेरी तारीफ करने के लिए करीना कपूर आपको बहुत शुक्रिया। इतने वर्षों बाद मैं वैसा ही दिखता हूं। भगवान आपको और आपके परिवार को सुखी रखे। आपको प्यार और आपके लिए दुआएं।'

उर्मिला मातोंडकर ने छोड़ी एक्टिंग?

51 साल की अभिनेत्री ने अफवाहों पर दिया रिएक्शन



ऐसा कभी नहीं था। मैं इस समय सिल्वर स्क्रीन पर वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हूं।

ओटीटी पर काम करना चाहती हैं उर्मिला

उर्मिला ने यह भी बताया कि वह ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू कर रही हैं। उन्होंने कहा 'अब सेट पर वापस जाने और फिर से धमाल मचाने का समय आ गया है।' उर्मिला ने बताया कि वह किस तरह के रोल करना चाहती हैं, 'मैं ऐसे रोल ढूंढ रही हूं जो मैंने पहले नहीं किए हैं, खासकर ओटीटी पर।



सोनु के टीटू की स्वीटी के इस सीन के अमिताभ बच्चन हुए फैन

कार्तिक आर्यन की सोनु के टीटू की स्वीटी का एक आइकॉनिक वॉकिंग सीन एक बार फिर चर्चा में है और इस बार वजह बने हैं खुद सदी के महानायक अमिताभ बच्चन। सालों पहले फिल्म में दिखा यह शांत लेकिन बेहद असरदार पल अब दोबारा सुर्खियों में आ गया है, जब अमिताभ बच्चन ने 'कौन बनेगा करोड़पति' के सेट पर इस सीन को याद करते हुए कार्तिक की तारीफ की। महानायक ने बातचीत के दौरान फिल्म का जिक्र करते हुए बताया कि कार्तिक का एक खास शॉट उनके जहन में आज भी बसा हुआ है। यह वही आखिरी सीन है, जहां कार्तिक का किरदार बिना एक भी शब्द बोले, सिर्फ खामोशी के साथ वहां से चला जाता है और भावनाएं खुद-ब-खुद सामने आ जाती हैं। उस पल को याद करते हुए अमिताभ बच्चन ने कहा, 'मैं आपको बताऊं, मुझे आपको कौन सा शॉट याद है। आप लास्ट शॉट में एकदम सीरियस होकर खड़े होते हो। बस आपको 'ना' बोलना होता है। पर आप 'ना' नहीं बोलते। आप चुप-चाप चलकर आते हो... और निकल जाते हो।' परफॉर्मेंस की इस सादगी और संयम की तारीफ करते हुए बिग बी ने इसे एक शब्द में समेटते हुए 'असाधारण' बताया। अमिताभ बच्चन की इस टिप्पणी ने दर्शकों के दिल को छू लिया। सोशल मीडिया पर फैस ने एक बार फिर उस सीन को देखा और उसकी भावनात्मक गहराई की सराहना की। ऐसे दौर में, जहां जोरदार डायलॉग्स और ओवर-द-टॉप क्लाइमेक्स आम हो चुके हैं, कार्तिक का यह साइलेंट मोमेंट यह याद दिलाता है कि कभी-कभी खामोशी ही सबसे ज्यादा बोलती है। भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े आइकॉन से मिली इस खास सराहना के बीच, कार्तिक आर्यन अब अपनी अगली फिल्म तू मेरी में तेरा, मैं तेरा तू मेरी की तैयारी में जुटे हैं, जो क्रिजमस पर रिलीज होने वाली है। ऐसे में फेस्टिव सीजन में दर्शकों की उत्सुकता और भी बढ़ गई है।

तमन्ना भाटिया ने 16 साल की उम्र में डेब्यू

आज बॉलीवुड और साउथ की टॉप एक्ट्रेस में शुमार

कालिलाना अदाएं, जबरदस्त अदाकारी और गजब का कॉन्फिडेंस... बॉलीवुड हो या साउथ इंडस्ट्री, हर जगह अपनी पहचान बनाने के लिए इन तीन चीजों की जरूरत पड़ती ही है। ऐसे में किसी ने शब्दों को सच कर दिखाया है तो वो हैं तमन्ना भाटिया। यूं तो इंडस्ट्री में हसीनाओं की कमी नहीं है, लेकिन तमन्ना ने बेहद कम समय में अपनी एक्टिंग, डांसिंग और बेमिसाल फैशन सेंस से सबका ध्यान अपनी ओर खींचा है। उन्होंने सिर्फ साउथ में ही नहीं, बल्कि बॉलीवुड में भी अपना सिक्का मनवाया है। तमन्ना का जन्म 21 दिसंबर 1989 को मुंबई में हुआ। बहुत कम उम्र में ही उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। महज 16 साल की उम्र में उन्होंने अपनी पहली हिंदी फिल्म 'चांद सा रोशन चेहरा' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। तमन्ना ने जल्द ही साउथ इंडस्ट्री की ओर रुख किया और वहां अपनी मेहनत और टैलेंट से खुद को साबित किया। तमिल और तेलुगु फिल्मों में उन्होंने कई हिट फिल्में दीं और जल्दी ही टॉप एक्ट्रेस बन गईं। 2013 में उन्होंने बॉलीवुड में 'हिममवाला' से वापसी की। तमन्ना की खूबसूरती, अदाएं और स्टाइल हर किसी के दिल को छू जाती हैं। आज की रात, 'नशा' और 'पिया के बाजार' जैसे आइटम सॉन्स में उन्होंने अपने शानदार डांस मूव्स से दर्शकों को दीवाना बना दिया। इसके अलावा, वह 'बाहुबली' और 'बाहुबली 2' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं, जिनमें उनकी एक्टिंग और प्रेजेंस ने सबका ध्यान खींचा। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी तमन्ना ने अपनी छाप छोड़ी। 'जी करदा' और 'आखिरी सच' जैसी वेब सीरीज में उनकी एक्टिंग को काफी सराहा गया। इन दोनों सीरीज के लिए उन्हें बॉलीवुड हंगामा ओटीटी इंडिया फेस्ट में 'बेस्ट फीमेल एक्टर ऑफ द ईयर' का अवार्ड भी मिला।

'शक्तिमान' के लिए मुकेश खन्ना ने रणवीर सिंह को कहा था 'ना'

मुकेश खन्ना ने फिल्म 'शक्तिमान' के लिए रणवीर सिंह को मना कर दिया था, हालांकि अब उनकी फिल्म 'धुरंधर' की कामयाबी के बाद उनकी तारीफ की है। अभिनेता मुकेश खन्ना ने 'धुरंधर' के बॉक्स ऑफिस पर बेहतरीन



फिल्म है, जो जनता को पसंद आएगी। हर डिपार्टमेंट ने अपना बेस्ट काम किया है, चाहे वह अभिनय हो, निर्देश हो, एक्शन हो, सिनेमैटोग्राफी हो या लेखन हो। सबने अपना बेस्ट दिया है, इसलिए आप इस फिल्म को हर तरह से 'धुरंधर' कह सकते हैं।

मुकेश खन्ना ने की रणवीर सिंह की तारीफ

रणवीर सिंह की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा 'हां, मैं इस फिल्म 'धुरंधर' के हीरो रणवीर सिंह की तारीफ करना चाहता। आप कहेंगे, 'आपने उन्हें शक्तिमान का रोल नहीं करने दिया'। हो सकता है मैंने उन्हें शक्तिमान का रोल देने से मना किया हो, लेकिन वह एक अच्छे एक्टर हैं। मैं यह हमेशा कहता हूं। खयाल रहे मुकेश खन्ना बॉलीवुड फिल्मों में अपनी बेहतरीन अदाकारी के साथ टीवी सीरियल 'शक्तिमान' से काफी मशहूर हुए।

शेफाली शाह ने सुनाई वेशभूषण की दस्ता

शिफॉन साड़ियां यशराज फिल्म में ही अच्छी लगती हैं

अभिनेत्री शेफाली शाह इन दिनों परिवार के साथ विदेश में छुट्टियां मना रही हैं। शेफाली ने मजाकिया अंदाज में बताया कि ठंड के मौसम में उन्हें मजेदार अनुभव और सबक मिले। शेफाली ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें पोस्ट कीं और साथ में मजेदार अंदाज में छुट्टियों के बारे में भी बताया। शेफाली ने लिखा, 'पहले मैं ठंड में जम गई थी, अब पिघल रही हूं। ठंड में प्यार नहीं, बल्कि थर्मल कपड़े ही गर्म रखते हैं। पुपने थर्मल का साथ कभी न छोड़ें और हां, बर्फ पर गिरने का खतरा ज्यादा होता है। आप ठंड के समय में छुट्टियों पर निकलें और आपके साथ कोई ऐसा शब्द न हो जो दस्ताने, फोन, स्कार्फ संभाल सके, तो मुश्किल और भी बढ़ जाती है।' शेफाली शाह ने यशराज फिल्मस का जिक्र करते हुए आगे कहा, 'शिफॉन साड़ियां तो यशराज फिल्मों में अच्छी लगती हैं, रियल लाइफ में नहीं, क्योंकि ठंड में उंगलियां जाती हैं। ठंड को हल्के में न लें। यहां कम-ज्यादा नहीं, बल्कि ज्यादा लेयरिंग करें। हो सके तो जैकेट के नीचे 64 थर्मल लेयर पहन लें। जो लोग सर्दी के कपड़ों में स्टाइलिश दिखते हैं, वो शेफाली तो पक्का नहीं हो सकते हैं। अच्छे कपड़े या गर्म रहकर जिंदा रहना, मैंने दूसरे का चुनाव किया। स्नो पैट स्टाइल के लिए नहीं, बल्कि गीला होने से बचाने के लिए होते हैं, इसलिए जरूर पहनें। एक आउटफिट तैयार करने में तीन घंटे लग जाते हैं - लेयरिंग, जुते के फीते बांधना, दस्ताने उतारना-पहनना और आखिर में पता चलना कि अंदर की थर्मल लेयर भूल गए।' एक्ट्रेस ने आगे बताया, 'पुपने स्नो शुज न पहनें, नहीं तो 'सोल लेस' हो जाएंगे। हिल वाले बूट सेक्सी हैं, लेकिन भदे कपड़े पहनकर जिंदा रहना बेहतर है। स्टाइलिश कपड़ों में ठंड से बचाव नहीं हो सकता। '

बिना आरडीएक्स के वेलकम अधूरी

फिल्म के 18 साल पूरे होने पर अनिल कपूर ने किया फिरोज को याद

बॉलीवुड की यादगार कंमिडी फिल्मों में शामिल 'वेलकम' जैसी फिल्म को आज तक याद किया जाता है। मल्टीस्टार कास्ट से सजी इस फिल्म की खासियत यह रही कि हर किरदार ने अपनी अलग पहचान बनाई और अपनी अदाकारी से दर्शकों के दिलों में जगह बना ली। चाहे 'मेरी एक टांग नकली है, मैं हॉकी का बहुत बड़ा खिलाड़ी था' जैसे डायलॉग से हंसी बटोरने वाले मुरताक खान हों या फिर 'देखो वो जिंदा है' कहकर याद रह जाने वाली सुप्रिया कार्नाक, फिल्म का हर किरदार आज भी लोगों को याद है। अब जब इस कंमिडी क्लासिक के 18 साल पूरे हो चुके हैं, तो अभिनेता अनिल कपूर ने फिल्म से जुड़े अपने पुराने साथी और दिवंगत अभिनेता-निर्माता फिरोज खान को याद करते हुए उनसे जुड़ी यादों को साझा किया है। वेलकम फिल्म के 18 साल होने पर अनिल कपूर ने फिल्म से जुड़ी पुरानी यादों को ताजा किया है और फिल्म के सुपरहिट होने का श्रेय भी दिवंगत फिरोज खान को दिया है। अभिनेता ने फिल्म की पुरानी फोटोज को शेयर कर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'वेलकम के 8 साल। यह फिरोज खान साहब के लिए है। आरडीएक्स के बिना 'वेलकम' अधूरी थी, ठीक वैसे ही जैसे मोमबत्तों के बिना 'मिस्टर डॉड' अधूरा था। दोनों की जगह कोई नहीं ले सकता। उन्होंने आगे लिखा, 'मुझे स्क्रिप्ट सुनते समय याद है, मैं सोच रहा था कि यह कैसी बनेगी। पिक्चर यहीं रुक जाती है, बैठ जाती है। अनौस भाई ने कहा, 'चिंता मत करो, फिरोज साहब पिक्चर संभाल लेंगे,' और उन्होंने ऐसा ही किया। आरडीएक्स ने फिल्म को ऊपर उड़ा दिया।

साभार एजेंसी

रबी सीजन में किसानों को विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करें - ऊर्जा मंत्री

ग्वालियर । ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने मंगलवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए समाधान योजना की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि लक्ष्य प्राप्ति में तेजी लाएं तथा हर गांव और गली, मोहल्ले तक योजना का प्रचार-प्रसार करें। श्री तोमर ने रबी सीजन में किसानों को 10 घंटे निबांध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

ऊर्जा मंत्री तोमर ने अधिकारियों को हिदायत दी कि प्रदेश में विद्युत वितरण की व्यवस्था में किसी तरह का व्यवधान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण एवं पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराना तथा वास्तविक खपत का किफायती दरों पर भुगतान प्राप्त करना ही बिजली कंपनी का मुख्य कार्य है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश बिजली सरप्लस राज्य है। साथ ही सरकार अब सौर



ब?ग रही है। उन्होंने कहा कि समाधान योजना की सफलता के लिए राज्य के हर संभाग, जिला स्तर के अधिकारी अपने अधीनस्थ कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता की जिम्मेदारी सुनिश्चित करें। लक्ष्य हासिल

योजना के बारे में उपभोक्ताओं को जागरूक करना होगा। मंत्री तोमर ने कहा कि समाधान योजना के प्रथम चरण की अब तक की प्रगति संतोषजनक नहीं है। योजना का प्रथम चरण समाप्त होने में लगभग एक सप्ताह का समय शेष है। इस अवधि में

जमीनी स्तर पर योजना का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिए युद्ध स्तर पर कार्य करें। उन्होंने कहा कि दो लाख से अधिक बकाया राशि वाले पात्र उपभोक्ताओं से अधिकारी सीधे सम्पर्क करें। श्री तोमर ने मुख्य अभियंता एवं मुख्य महाप्रबंधक स्तर पर प्रतिदिन समाधान योजना की समीक्षा कर रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।ऊर्जा मंत्री ने कहा कि %समाधान योजना% का पहला चरण 31 दिसंबर तक है। इसका दूसरा चरण 1 जनवरी से 28 फरवरी 2026 तक चलेगा। इसमें घरेलू, गैर-घरेलू और कृषक उपभोक्ताओं के साथ उन लोगों को भी शामिल किया गया है, जिनके बिजली कनेक्शन कट गए हैं, ताकि वे बकाया चुकाकर फिर से सम्मानजनक उपभोक्ता बन सकें। बैठक में सचिव ऊर्जा विशेष ग?पाले एवं बिजली कम्पनियों के एमडी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

गृह मंत्री शाह के कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर भाजपा की बैठक हुई

ग्वालियर। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की 100वीं जयंती पर केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह की विशेष उपस्थिति में होने वाले कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर मंगलवार को मेला ग्राउंड पर भाजपा की एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष व संभाग प्रभारी डॉ. निशांत खरे ने कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए। इस अवसर पर उद्घानिकी मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा ने कहा कि कार्यक्रम को सफल एवं भव्य बनाने के लिए हम सभी को प्राण पण से जुटना है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि ग्वालियर में 2 लाख करो? से अधिक के विकास कार्यों का



भूमि पूजन एवं लोकार्पण होने जा रहा है और इसका पूरा श्रेय भाजपा के देव तुल्य कार्यकर्ताओं को जाता है। उन्होंने कहा कि 25 दिसंबर को होने वाले कार्यक्रम

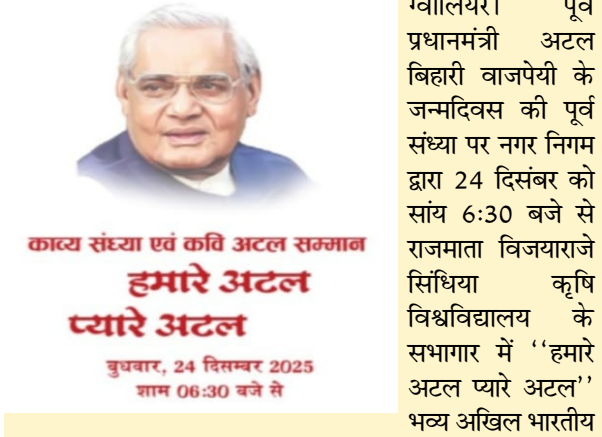
ने कहा कि कार्यक्रम को लेकर कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्र में सक्रिय हो जाएं। गृहमंत्री अमित शाह सदैव ही हम सबके लिए प्रेरणा का संचार रहे हैं। उनके आमनन पर सभी कार्यकर्ता बहुत अभिभूत है। बैठक में सांसद भारत सिंह कुशवाहा, पूर्व जिला अध्यक्ष कमल माखोजानी, जिला उपाध्यक्ष रामेश्वर भदौरिया, पूर्व सांसद विवेक नारायण शेजवलकर, पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल पूर्व, जिला अध्यक्ष अभय चैधरी, वेद प्रकाश शर्मा, गंगाराम बघेल, निगम सभापति मनोज तोमर, जय सिंह कुशवाहा, पूर्व महापौर श्रीमती समीक्षा गुप्ता, आशीष प्रताप सिंह राठौड उपस्थित रहे।

संगीतधानी 25 दिसम्बर को विख्यात गायक कैलाश खेर की प्रस्तुतियों से गुंजायमान होगी



जाता है। उन्होंने लगभग 18 भाषाओं में गाने गाए हैं। साथ ही बॉलीवुड की कई फिल्मों में पार्श्व गायन भी किया है। उनकी ख्याति भारतीय संगीत से ओतप्रोत पॉप-रॉक गायक के रूप में भी है। कैलाश खेर के प्रसिद्ध गानों में 'बम लहरी', 'चूं ही चला चला रही', 'तेरी दीवानी', 'अल्लाह के बंदे', 'साईया', 'तू जाने न' व 'चांद सिफारिश' शामिल हैं।

अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं कवि अटल सम्मान 24 दिसंबर को



ग्वालियर। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस की पूर्व संध्या पर नगर निगम द्वारा 24 दिसंबर को सांय 6:30 बजे से राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के सभागार में 'हमारे अटल प्यारे अटल' भव्य अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा। निगम आयुक्त संघ प्रिय ने बताया कि महापौर डॉक्टर शोभा सतीश सिंह सिकरवार एवं सभापति मनोज सिंह तोमर के निर्देशन में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के जन्म दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में देश के ख्यातिनाम कवि बलवीर सिंह करुण अलवर को वर्ष 2024 का अटल कवि सम्मान एवं देश की प्रख्यात कवियत्री डॉ कीर्ति काले दिल्ली को वर्ष 2025 का अटल कवि सम्मान प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर प्रख्यात कवि प्रकाश मिश्र, प्रियांशु गजेंद्र बाराबंकी, सुमित ओरछा ओरछा, अमन अक्षर इंदौर, मदन मोहन मिश्र दानिश, अतुल अजनबी द्वारा काव्य पाठ की प्रस्तुति दी जाएगी।

अपर आयुक्त ने सुनी आमजन की समस्यायें



ग्वालियर। आमजनों की विभिन्न मूलभूत सुविधाओं से संबंधित समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए जनसुनवाई आयोजित की गई। जिसमें नगर निगम में अपर आयुक्त मुनीष सिंह सिकरवार, प्रदीप सिंह तोमर ने आमजनों की समस्याएं सुनकर उनके निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। सिटीसेंटर स्थित निगम मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई में वार्ड 51 सिद्धनाथ की बगिया की निवासी गणों ने आवेदन देते हुए बताया कि सिद्धनाथ की बगिया में सार्वजनिक निगम की भूमि पर अतिक्रमण किया जा रहा है, आवेदकों ने अतिक्रमण को हटायें जाने के संबंध में आवेदन सौंपा। वार्ड 31 श्रीकृष्ण कॉलोनी पड़ाव के निवासी गणों ने आवेदन देते हुए बताया कि कॉलोनी में सीवर व नाली की समस्या गंभीर हो गई है। इसके साथ ही जनसुनवाई में पेयजल, अतिक्रमण, सफाई, विद्युत, आवास, सीवर सफाई, नामांतरण आदि से संबंधित 24 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए।

किसान दिवस पर किसानों को सिखाई आधुनिक खेती की तकनीक

ग्वालियर कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की जन्मतिथि के उपलक्ष्य में देश भर में मनाए गए किसान दिवस का आयोजन ग्वालियर जिले के भितरवार विकासखंड के मस्तूरा ग्राम में किया गया छ इस आयोजन में जिला पंचायत सदस्य जितेंद्र सिंह रावत एवं मस्तूरा के सरपंच बुद्ध खान उपस्थित थे। कार्यक्रम में कुल 107 कृषकों द्वारा सहयोगिता की गईकार्यक्रम के प्रारंभ में कार्यक्रम के उद्देश्य एवं चौधरी चरण सिंह द्वारा किसानों के हित में किए गए कार्यों तथा धान गेहूं फसल पद्धति अंतर्गत नवीन धान एवं गेहूं की उत्पादन की नवीन तकनीकों जैसे धान उत्पादन की डीएसआर तकनीक गेहूं उत्पादन की सीधी बिना फसल अवशेष को आग लगाकर जीरो टिलेज मशीन से या सुपर सीटर का उपयोग करते हुए खेती किसान भाई कैसे करें इस बारे में विस्तृत जानकारी कृषि विज्ञान केंद्र ग्वालियर के प्रमुख एवं वैज्ञानिक डॉ शैलेंद्र सिंह कुशवाहा द्वारा दी गई छ कार्यक्रम में प्राकृतिक खेती के विभिन्न घटकों एवं उनका उपयोग कैसे किया जाए जिससे जहरीले रसायनों से मुक्त फसल उत्पादन पद्धति को अपनाने के लिए किसान भाई आगे बढ़ें, इस बारे में जानकारी केंद्र के वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ एससी श्रीवास्तव द्वारा दी गई छ कार्यक्रम में केंद्र की वैज्ञानिक कृषि वानिकी डॉ अमिता शर्मा द्वारा भी प्राकृतिक खेती से अधिक लाभ कैसे कमा सकते हैं। इस बारे में कृषकों को प्राकृतिक खेती के विभिन्न तकनीकों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया छ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि द्वारा किसान दिवस का आयोजन मस्तूरा ग्राम में करने हेतु कृषि विज्ञान केंद्र का आभार माना



कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में 83 लोगों की समस्याओं की हई सुनवाई

ग्वालियर। मंगलवार को कलेक्ट्रेट में हुई जनसुनवाई में 83 लोगों की समस्यायें सुनी गईं। अपर कलेक्टर कुमार सत्यम सहित जिला प्रशासन के अधिकारियों ने एक डू एक कर सभी आवेदकों की समस्यायें सुनीं और उनके आवेदनों के निराकरण की रूपरेखा तय की। जनसुनवाई में प्राप्त हुए 83 आवेदनों में से 30 दत्त किए गए। शेष 53 आवेदन संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों को सीधे ही निराकरण के लिये दिए गए। सभी अधिकारियों को समय-सीमा में आवेदनों का निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं। जन-सुनवाई में राजस्व, नगर निगम, बिजली इत्यादि से संबंधित समस्यायें प्राप्त हुईं। जमीन संबंधी समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश सभी एसडीएम व तहसीलदारों को दिए गए हैं। जनसुनवाई में मदद की आस में पहुंचे जरूरतमंदों के निःशुल्क इलाज का इंतजाम भी कराया गया। संयुक्त कलेक्टर सुरेश कुमार बरहादिया, सुश्री जूरी गर्ग व सुश्री मनीषा कौल एवं डिप्टी कलेक्टर अनिल राघव सहित अन्य अधिकारियों ने जन सामान्य से आवेदन प्राप्त कर निराकरण की कार्यवाही की।



नैतिक मूल्य ही जीवन का आधार है - बीके प्रहलाद



ग्वालियर। मौनी बाबा आश्रम स्थित संचालित सेवाथं पाठशाला द्वारा आज बच्चों के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से नैतिक शिक्षा, व्यवहारिक शिक्षा एवं ध्यान विषय पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में संस्कार, अनुशासन, आत्मविश्वास एवं सकारात्मक सोच का विकास करना रहा। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रज्ञापिता ब्रह्माकुमारी? ईश्वरीय विश्व विद्यालय से प्रेरक वक्ता एवं ध्यान प्रशिक्षक बीके प्रहलाद भाई, विशिष्ट अतिथि के रूप में एम.एल.बी. कॉलेज से प्रो. डॉ. विजय राजोरिया एवं प्रो. भारती कर्णिक, मौनी आश्रम से शिवानंद मौनी महाराज, सेवाथं पाठशाला के संचालक ओ. पी. दीक्षित, सेवाथं शिक्षक करण तोमर, राखी खरे उपस्थित थीं।कार्यक्रम में बीके प्रहलाद भाई ने बच्चों को ध्यान के माध्यम से एकाग्रता बढ़ाने, मन को शांत रखने एवं जीवन में श्रेष्ठ मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि ध्यान से

बच्चों में आत्मबल बढ़ता है और वे पढ़ाई के साथ-साथ जीवन में भी सफल बनते हैं। उन्होंने आगे बच्चों को व्यवहारिक ज्ञान के बारे में बताते हुए नैतिक मूल्यों को जीवन का आधार बताया। इसके साथ ही राजयोग ध्यान का महत्व बताते हुए सभी बच्चों को अभ्यास भी कराया गया। कार्यक्रम में प्रो. डॉ. विजय राजोरिया एवं प्रो. भारती कर्णिक ने बच्चों को सम्बोधित करते हुए अनुशासन और सकारात्मक दृष्टिकोण के महत्व पर प्रकाश डाला। सच्चाई और सेवा के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। कार्यक्रम में शिवानंद मौनी महाराज ने मौन रहकर मन से ही बच्चों को शुभ भावनायें दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सेवाथं पाठशाला के संचालक ओ. पी. दीक्षित ने कहा कि पाठशाला का उद्देश्य केवल शिक्षा देना नहीं, बल्कि बच्चों को अच्छे इंसान बनाना है।कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ ध्यान अभ्यास किया और वक्ताओं के प्रेरक विचारों से लाभान्वित हुए। कार्यक्रम के अंत में जिन बच्चों के साप्ताहिक टेस्ट में अच्छे मार्क्स आये उन्हें पुरस्कार भी दिया गया।

अटल की कविताओं पर पहली बार साहित्य, संगीत और नृत्य का ऐतिहासिक मंचन

- कृषि विश्वविद्यालय में कथक नृत्य से अटलजी को दी गई स्वरांजलि

ग्वालियर। प्रख्यात कवि और पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी के अवसर परएक ऐतिहासिक और अनूठा सांस्कृतिक आयोजन हुआ। पहली बार राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय में कथक नृत्य के माध्यम से अटलजी की कविताओं का मंचन किया गया और यह कार्यक्रम अटल स्वरांजलि के रूप में आयोजित किया गया। यह ऐसा अवसर था, जब शहरवासियों ने आधुनिक संगीत, शास्त्रीय कथक और काव्यपाठ का दुर्लभ संगम एक ही मंच पर देखा। कार्यक्रम का आयोजन कृषि विश्वविद्यालय के दत्तोपंत ठेंग्री सभागार में किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. डॉ. अरविंद कुमार शुक्ल और राजा मान सिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय की कुलगुरु श्रीमती रीमता सहस्त्रबुद्धे भी उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत अटल जी की सुप्रसिद्ध कविता 'आओ फिर से दिया जलाएं' से हुई। इसके बाद कुल नौ कविताओं पर भावपूर्ण कथक प्रस्तुतियां दी गईं। समापन राखक रामधारी सिंह 'दिनकर' की अमर कृति 'रश्मिरथी' के तृतीय अध्याय 'कृष्ण की चेतावनी' पर आधारित प्रस्तुति से हुआ, जिसने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। शिमला से आए 17 कलाकारों ने इस मंचन को जीवंत बना दिया। प्रसिद्ध कथक कलाकार डॉ. पूनम शर्मा के निर्देशन में प्रस्तुत यह 1 घंटा 5 मिनट की नृत्य-नाटिका अपने आप में अनोखी रही। डॉ. पूनम शर्मा ने बताया कि इतनी लंबी अवधि की कविताओं पर आधारित कथक प्रस्तुति इससे पहले कभी नहीं हुई। जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर अटल जी की कविताओं पर आधारित स्मारिका 'अटल संस्कृति से संवाद' का भी लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में दिनकर स्मृति न्यास दिल्ली के नीरज कुमार उपस्थित रहे।



मास्टरमाइंड की तलाश में जुटी पुलिस, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जप्त

ग्वालियर। ग्वालियर पुलिस की साइबर क्राइम विंग ने दो फर्जी मैरिज कॉल सेंटरों का भंडाफो? कर दो संचालिकाओं को पक? है। फर्जी कॉल सेंटर ठाठपुर एवं द्वारिकाधीश मंदिर के पास संचालित थे। कॉल सेंटरों में 20 युवतियां कार्यरत मिलीं। यह फर्जी कॉल सेंटर गूल से ल?क्रिया के फोटो डाउनलोड कर ग्राहकों को दिखाकर धोखाध?ी कर रहे थे। पुलिस ने मौके से इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, मोबाइल, डेटा एवं दस्तावेज जप्त किये हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह एवं अति? पुलिस अधीक्षक श्रीमती सुमन गुर्जर ने बताया कि ग्वालियर पुलिस की साइबर क्राइम विंग ने दो फर्जी मैरिज कॉल सेंटरों का भंडाफो? कर संचालिकाओं राखी गी? पुत्री राजेन्द्र गी? उम्र 24 वर्ष निवासी संकटमोचन नगर सुरैयापुरा मुरार और सीता उर्फ शीतल चैहान पत्नी आकाश सिंह उम्र 26 वर्ष निवासी दर्पण कॉलोनी ठाठपुर को पक? है। डीएसपी अपराध नागेन्द्र सिंह सिकरवार ने बताया कि पुलिस को जरिये मुखबिर सूचना मिली थी कि ठाठपुर मयूर प्लाजा के पीछे एवं द्वारिकाधीश मंदिर के सामने दो फर्जी मैरिज कॉल सेंटर संचालित किये जा रहे हैं। इस सूचना पर एसडीओपी बेहट मनीष यादव के मार्गदर्शन में सायबर क्राइम प्रभारी धर्मेन्द्र कुशवाह एवं थाना प्रभारी अपराध निरी? अमित शर्मा के नेतृत्व में सायबर क्राइम विंग की टीम को कार्यवाही करने हेतु लगाया गया। पुलिस की दो अलग-अलग टीमें बनाकर मौके पर जाकर देखा तो मयूर नगर स्थित फर्जी कॉल सेंटर संचालित किया जा रहा था, जिसमें करीब 12 युवतियां कार्य कर रही थी, जिनके द्वारा मोबाइल फोन के माध्यम से चेट व कॉल पर बात की जा रही थी।